संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 49
पृष्ठ 8
बुधवार
04 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- त्योहारों पर मेहमानों को खिलाएं..

विचार- सुरक्षित भोजन का सवाल

खेल- यशस्वी जायसवाल ने न्यूजीलैंड...

## आस्था भारत की सबसे बड़ी ताकत, इसी से एकता के सूत्र में बंधा है देश : योगी

पीलीभीत, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में प्रज्ज्वलित होने वाला एक-एक दीप पूरे उत्तर प्रदेश की समृद्धि और विकास का कारण बनता है। दीपोत्सव में जलने वाले दीप केवल भगवान श्रीराम के आगमन की स्मृति को जीवंत नहीं करते, बल्कि प्रदेश की प्रगति, खुशहाली और उज्ज्वल भविष्य का भी प्रतीक हैं। आस्था भारत की सबसे बड़ी ताकत है। आस्था ने विविधताओं से भरे देश को एकता के सूत्र में बांध रखा है। मुख्यमंत्री मंगलवार को जनपद पीलीभीत के निरानपुर गांव में ब्रह्मलीन महंत योगी शांतिनाथ की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रीराम कथा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने परिसर में स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना की, विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण किया। दुनिया में करीब 200 देश हैं।



सबकी अपनी विशेषताएं, पहचान, चुनौतियां और उपलब्धियां हैं। कहीं हजारों की आबादी है तो कहीं लाखों और करोड़ों में जनसंख्या है। 50 करोड़ से अधिक आबादी वाले देशों में भारत और चीन शामिल हैं। यूरोप एक दिखाई देता है, लेकिन वहां भी अलग-अलग राजनीतिक इकाइयों वाले अनेक देश हैं। इसके विपरीत भारत में उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक रूप-रंग, बोली और भाषा की विविधता होने के बावजूद पूरा देश एक भाव और एक भंगिमा के साथ एकता के सूत्र में बंधा है। इस एकता के पीछे हमारी आस्था है। यही आस्था आज इतनी बड़ी संख्या में लोगों को श्रीराम कथा के आयोजन में एकत्र कर रही है और यही भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा का वाचन पांच हजार वर्ष पूर्व शुकतीर्थ में हुआ था। इतने लंबे समय बाद भी देश और दुनिया में जहां कहीं सनातन धर्मावलंबी रहते हैं, वहां उसी श्रद्धा और पवित्र भाव से हजारों-लाखों लोग कथा श्रवण के लिए जुटते हैं। श्रीराम कथा के आयोजन के पीछे भी हजारों वर्षों की परंपरा है। शारदीय नवरात्र के बाद गांव-गांव में रामलीलाओं का आयोजन होता है। गोस्वामी तुलसीदास ने गुलामी के कालखंड में जिस रामलीला परंपरा को आगे बढ़ाया, वह आज भी उसी उत्साह से जारी है। गांव के कलाकार इसमें भागीदारी करते हैं। पंडित राधेश्याम रामायणी के रामलीला संवादों ने इस परंपरा को नई ऊंचाई दी। मांगलिक और शुभ कार्यों में अखंड रामायण का पाठ भी हमारी इसी आस्था और सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है।पांच सौ वर्षों तक रामजन्मभूमि की मुक्ति के लिए आस्था बिना रुके, बिना डिगे और बिना पीछे हटे संघर्ष करती रही। अंततः जब पूरा भारत एक स्वर में खड़ा हुआ तो अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने दो नवंबर 1990 की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दिन अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां चलाई गई थीं और सैकड़ों रामभक्त घायल हुए थे। उस समय अयोध्या में जय श्रीराम बोलने और रामभक्तों के आने तक पर प्रतिबंध था। बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। संकरी गलियां, गंदगी, खराब सड़कें और अव्यवस्थाएं थीं। अयोध्या वायु सेवा से नहीं जुड़ी थी और रेलवे की सिंगल लाइन थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामकथा का वास्तविक उद्देश्य केवल श्रवण करना नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन का हिस्सा बनाना है। आज भारत एक नए स्वरूप में आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2017 से पहले जो धन इधर-उधर बर्बाद होता था, आज उसका उपयोग मंदिरों और धार्मिक स्थलों के विकास के साथ गरीबों के कल्याण की योजनाओं में हो रहा है। तुष्टीकरण का भाव अनास्था और अराजकता को बढ़ावा देता है।

### पुणे को मिली मेट्रो की नई सौगात: प्रधानमंत्री मोदी बोले-

## पुरानी सरकार रहती तो कई दशक और करना पड़ता इंतजार

पुणे, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पुणे मेट्रो की बहुप्रतीक्षित लाइन-3 का उद्घाटन किया। मान-हिंजवडी से शिवाजीनगर तक जाने वाली इस मेट्रो लाइन से पुणे के आईटी हब, प्रमुख व्यावसायिक और प्रशासनिक इलाकों के बीच आवाजाही आसान होने की उम्मीद है। हालांकि, यात्रियों के लिए मेट्रो सेवाएं चार नवंबर को सुबह छह बजे से शुरू होंगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कई बड़ी बातें कही। पीएम मोदी ने कहा कि 2014 में जब देश ने एनडीए को सेवा का मौका दिया, तो हम एक संकल्प लेकर चले। यह संकल्प था, शहर में रहने वाले मिडिल क्लास की ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज, किसी शहर को दो मुख्य पैमानों पर परखा जाता है, पहला वह शहर कितना प्रतिस्पर्धी है? दूसरा, उसका ईज ऑफ लिविंग इंडेक्सश (जीवन सुगमता सूचकांक) कितना ऊंचा है? मेट्रो परियोजनाएं इन दोनों पैमानों में योगदान देती हैं, जिससे शहर अधिक कार्यकुशल, सुलभ और रहने के लिए बेहतर बनता है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज का दिन प्रो पीपल, प्रो एक्टिव गुड गवर्नेंस का भी उदाहरण है। हमारे देश में पहली मेट्रो 1984 में चली थी। उसके बाद के 30 साल में सिर्फ 248 किमी मेट्रो लाइन बनी। 2014 तक देश में सिर्फ पांच शहरों में मेट्रो चल रही थी। अगर वही पुरानी सोच चलती, पुरानी सरकार रहती, पुरानी कार्य संस्कृति रहती, तो पुणे में मेट्रो पहुंचने में कई और दशक लग जाते। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे शहर केवल रहने की जगह नहीं हैं। ये देश की आर्थिक गतिविधि के बड़े केंद्र भी हैं। हमें देश के सैकड़ों छोटे शहरों को ग्रोथ हब भी बनाना है। इसी विजन के साथ इस साल फरवरी में अर्बन चौलेंज फंड की स्वीकृति दी गई थी।

> 2014 में जब देश ने एनडीए को सेवा का मौका दिया, तो हम एक संकल्प लेकर चले। यह संकल्प था, शहर में रहने वाले मिडिल क्लास की ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं।
>
> नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री



## देश जलाने को तैयार हैं राहुल गांधी : भाटिया बोले- हिंसक प्रदर्शन भारतीयों के स्वभाव में नहीं, विवाद क्यों?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर लोकतंत्र को कमजोर करने और देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी ऐसे नेता बन गए हैं, जो लोकतंत्र का गला घोंटकर अराजकता लाना चाहते हैं।

> राहुल गांधी ऐसे नेता बन गए हैं, जो लोकतंत्र का गला घोंटकर अराजकता लाना चाहते हैं। राहुल गांधी की राजनीति हिंसक विरोध प्रदर्शनों को बढ़ावा देने वाली है। भारत और भारतीय अराजकता तथा हिंसक प्रदर्शनों को पसंद नहीं करते।
>
> गौरव भाटिया, भाजपा प्रवक्ता



उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राहुल गांधी की राजनीति हिंसक विरोध प्रदर्शनों को बढ़ावा देने वाली है। भाटिया ने कहा कि भारत और भारतीय अराजकता तथा हिंसक प्रदर्शनों को पसंद नहीं करते। देश के लोगों का संविधान में विश्वास है और वे अराजकता को कुचल देते हैं। गौरव भाटिया ने कहा कि भाजपा के सभी वरिष्ठ नेताओं ने राहुल गांधी की राजनीति को देखा है।

उन्होंने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने भी सोमवार को 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च में हिस्सा लिया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मार्च निकाला, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। भाटिया ने कहा कि इन मार्चों का उद्देश्य देश में लोकतंत्र और सांविधानिक व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता जाहिर करना है। उन्होंने कहा कि हिंसक प्रदर्शन भारतीयों की प्रकृति और उनके मूल्यों का हिस्सा नहीं हैं।

### आईएएफ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विवाद: कांग्रेस का मोदी सरकार पर निशाना, कहा-

## यह कदम शर्मनाक और अपमान भरा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की जमीन वापस लेने की केंद्र सरकार की कोशिश पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने मंगलवार को मोदी सरकार की कार्रवाई को शर्मनाक बताते हुए कहा कि यह पूरे वायुसेना परिवार के प्रति अपमानजनक रवैया है। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस संबंध में एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। रिपोर्ट के मुताबिक, 31 अक्तूबर को सेवानिवृत्त होने से कुछ दिन पहले 26 अक्तूबर को वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास के पास ऐसकोर्स एयर फोर्स स्टेशन की प्रमुख जमीन पर भारतीय वायुसेना का नियंत्रण बनाए रखने की मांग की थी। उन्होंने इसके पीछे सैन्य जरूरतों और वहां मौजूद सुविधाओं का हवाला दिया था। जयराम रमेश ने अपनी पोस्ट में कहा, आईएएफ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लंबा इतिहास रहा है। दशकों से इसने कई सार्वजनिक उद्देश्यों की पूर्ति की है और यह भारतीय वायुसेना के सामाजिक बुनियादी ढांचे का भी अभिन्न हिस्सा रहा है। उन्होंने आगे कहा, ष्मोदी सरकार की कार्रवाई बेहद शर्मनाक है और पूरे आईएएफ परिवार के प्रति पूरी तरह अनादर दिखाती है। प्रधानमंत्री आवास 7, लोक कल्याण मार्ग के पास स्थित रेसकोर्स एयर फोर्स स्टेशन के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में गोल्फ कोर्स, स्विमिंग पूल और अन्य सुविधाएं थीं। पिछले बुधवार को इसे बंद कर दिया गया। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत काम करने वाले भूमि एवं विकास कार्यालय ने कॉम्प्लेक्स के प्रबंधन को बेदखली का नोटिस जारी किया था। इसमें प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास के पास स्थित जमीन खाली कर वापस सौंपने की मांग की गई थी। केंद्र सरकार की यह कार्रवाई इलाके में मौजूद कीमती जमीनों को वापस लेने की हालिया मुहिम का हिस्सा है। पिछले कई हफ्तों से सरकार भूमि एवं विकास कार्यालय के जरिए लोक कल्याण मार्ग के आसपास की प्रमुख जमीनों की समीक्षा कर रही है। इसका उद्देश्य रक्षा से जुड़ी गोल्फ और खेल सुविधाओं के लिए इस्तेमाल हो रही जमीन को वापस लेना है। इससे पहले केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने संबंधित संस्थाओं से एयर फोर्स गोल्फ कोर्स वाली जमीन भी सौंपने को कहा था। अगस्त में विभाग ने लोक कल्याण मार्ग स्थित 53 एकड़ परिसर से दिल्ली रेस क्लब को बेदखल कर दिया था। इसके लिए जमीन की जरूरत एक अनिर्दिष्ट सार्वजनिक उद्देश्य के लिए बताई गई थी। इसके अलावा सरकार ने इंडिया पोलो एसोसिएशन से जयपुर पोलो ग्राउंड की जमीन भी वापस ले ली थी।

> भारतीय वायुसेना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लंबा इतिहास रहा है। यह वायुसेना के सामाजिक बुनियादी ढांचे का भी अभिन्न हिस्सा रहा है। मोदी सरकार की कार्रवाई बेहद शर्मनाक है और यह घोर अनादर को दर्शाती है।
>
> जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव



## गुजरात एटीएस ने 438 करोड़ रुपये के ड्रग्स मामले में तस्कर इस्माइल डोला को पकड़ा

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने तुर्किये से प्रत्यर्पित कर लाए गए अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्कर सलीम इस्माइल डोला को गिरफ्तार किया। डोला को इस साल की शुरुआत में भारत लाया गया था। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। डोला की गिरफ्तारी 2022 में वडोदरा की एक फैक्टरी से 438.64 करोड़ रुपये मूल्य का मेफेड्रोन जब्त किए जाने के मामले में हुई। अधिकारियों के अनुसार, डोला मादक पदार्थ बनाने में कथित तौर पर इस्तेमाल होने वाले रसायनों की आपूर्ति करता था और बाद में तैयार मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री भी करता था। उन्होंने बताया कि डोला के गिरोह के सदस्य मादक पदार्थों को कानूनी रूप से निर्यात किए जाने वाले सामान से भरे कंटेनरों में छिपाकर विदेश भेजते थे और इस कारोबार को अंजाम देने के लिए गंतव्य देशों में फर्जी कंपनियां भी बनाई गई थीं। इस साल अप्रैल में स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) सलीम डोला को तुर्किये से भारत वापस लाया था।

## नाराज सांसद रुहुल्ला मेहदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस से दिया इस्तीफा, वादों से मुकरने का लगाया आरोप

बडगाम (जम्मू-कश्मीर)। श्रीनगर से लोकसभा सदस्य सैयद आगा रुहुल्ला मेहदी ने मंगलवार को यहां अपने पिता आगा सैयद मेहदी की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक रैली में नेशनल कॉन्फ्रेंस नेतृत्व पर अनुच्छेद 370 की बहाली सहित चुनाव के दौरान किए गए प्रमुख वादों से पीछे हटने का आरोप लगाते हुए पार्टी से अपने इस्तीफे की घोषणा की। हालांकि, रुहुल्ला ने अपने



भाषण में लोकसभा से इस्तीफा देने का उल्लेख नहीं किया, लेकिन उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वह मंगलवार को बाद में लोकसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा भेज देंगे। मेहदी 2024 में नेशनल कॉन्फ्रेंस के टिकट पर श्रीनगर सीट से लोकसभा चुनाव जीते थे। उन्होंने अपने समर्थकों को 80 मिनट तक संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर में एक नया राजनीतिक संगठन बनाने का संकेत दिया।

शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखी जा रही इस रैली में प्रभावशाली शिया नेता रुहुल्ला मेहदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दोनों पर अनुच्छेद 370 की बहाली की लड़ाई छोड़ देने का आरोप लगाया, जिसके तहत जम्मू-कश्मीर को भारतीय संघ के भीतर विशेष दर्जा प्राप्त था। लोकसभा सदस्य मेहदी ने कहा कि पार्टी चुनाव के दौरान अनुच्छेद 370 बहाल करने, कैदियों की रिहाई और मुफ्त बिजली को लेकर किए गए तमाम दावे का सम्मान करने में विफल रही।

PRESS
हमेशा आपके साथ

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website
www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

## मेरठ के चर्चित सांप कांड में फांसी की सजा को हाईकोर्ट में चुनौती, मृत्युदंड की सजा रद्द करने की गुह

प्रयागराज। मेरठ के बहुचर्चित अमित कश्यप हत्याकांड यानी सांप कांड में नया मोड़ आ गया है। पत्नी रविता और उसके कथित प्रेमी अमरदीप ने ट्रायल कोर्ट से मिली फांसी की सजा को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है। दोनों ने दोषसिद्धि और मृत्युदंड का आदेश रद्द करने की मांग की है। इसी सप्ताह हाईकोर्ट की दो सदस्यीय पीठ में अपील पर सुनवाई होने की संभावना है। मेरठ के बहुचर्चित अमित कश्यप हत्याकांड यानी सांप कांड में फांसी की सजा पाए पत्नी रविता और उसके कथित प्रेमी अमरदीप ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दोनों ने मेरठ की एडीजे–12 अदालत के 16 अक्तूबर 2026 के फैसले को चुनौती देते हुए अपील दाखिल की है। अपील में दोषसिद्धि पर रोक लगाने और मृत्युदंड का आदेश रद्द करने की मांग की गई है।

मामला मेरठ के बहसूमा थाना क्षेत्र के अकबरपुर सादात गांव का है। आरोप था कि 12 अप्रैल 2025 की रात रविता और अमरदीप ने अमित कश्यप की गला दबाकर हत्या कर दी और घटना को सर्पदंश से हुई मौत दिखाने के लिए शव पर जिंदा सांप छोड़ दिया। पोस्टमार्टम में मौत का कारण दम घुटना सामने आया था। पुलिस जांच में दोनों के बीच वारदात की रात 50 से अधिक बार फोन पर बातचीत होने की बात भी सामने आई थी।

ट्रायल कोर्ट ने सात अक्तूबर को दोनों को दोषी ठहराया और 16 अक्तूबर को दुर्लभ से दुर्लभतम मामला मानते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। अपील में कहा गया है कि ट्रायल कोर्ट ने साक्ष्यों और परिस्थितियों का उचित मूल्यांकन नहीं किया। इस मामले में इसी सप्ताह हाईकोर्ट की डबल बेंच सुनवाई कर सकती है।

## पड़ोसी के घर की निजता भंग करने के लिए नहीं लगा सकते सीसीटीवी कैमरा, डीएम को कार्रवाई का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि कोई भी व्यक्ति अपने निजी सीसीटीवी कैमरे को इस तरह नहीं लगा सकता, जिससे पड़ोसी की निजता प्रभावित हो। पड़ोसी के घर में आने–जाने वाले लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने वाली स्थिति में सीसीटीवी कैमरे की स्थापना निजता के अधिकार में हस्तक्षेप है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि कोई भी व्यक्ति अपने निजी सीसीटीवी कैमरे को इस तरह नहीं लगा सकता, जिससे पड़ोसी की निजता प्रभावित हो। पड़ोसी के घर में आने–जाने वाले लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने वाली स्थिति में सीसीटीवी कैमरे की स्थापना निजता के अधिकार में हस्तक्षेप है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने आजमगढ़ निवासी योगेंद्र मौर्य की याचिका पर की। याची का आरोप था कि उसके पड़ोसी ने सीसीटीवी कैमरा इस तरह लगाया है कि उसके घर में आने और बाहर जाने का रास्ता निगरानी में आ गया है। इससे उसके घर आने–जाने वाले लोगों की निजता प्रभावित हो रही है। कोर्ट ने मामले के तथ्यों पर विचार करते हुए स्पष्ट किया कि कोई भी निजी सीसीटीवी कैमरा इस तरह स्थापित नहीं किया जा सकता, जिससे पड़ोसी की निजता में हस्तक्षेप हो। कोर्ट ने याचिका का निस्तारण करते हुए याची को संबंधित डीएम के समक्ष प्रार्थना पत्र देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि यदि याची आवेदन प्रस्तुत करता है तो डीएम एक माह के भीतर उस पर विचार कर निर्णय लें।

## पुणे से लाकर पांच ड्रमों में छिपाए थे रुपये, दो की रकम खर्च, रिश्तेदार भी जांच दायरे में

प्रयागराज। नवाबगंज के बरईपुर रामनगर में करोड़ों की नकदी मिलने के मामले में अब राकेश यादव उर्फ महाकाल और उसके भाई राजेश के रिश्तेदारों की आर्थिक गतिविधियां भी जांच के दायरे में आ गई हैं। नवाबगंज के बरईपुर रामनगर में करोड़ों की नकदी मिलने के मामले में अब राकेश यादव उर्फ महाकाल और उसके भाई राजेश के रिश्तेदारों की आर्थिक गतिविधियां भी जांच के दायरे में आ गई हैं। पुलिस को आशंका है कि पुणे से पांच ड्रमों में भरकर नकदी प्रयागराज लाई गई थी। इनमें से तीन ड्रमों में रखे 3.20 करोड़ रुपये बरामद हुए, जबकि बाकी दो में रखी रकम खर्च करने की आशंका है। राकेश के घर के अंदर जमीन में दबाए गए तीन नीले ड्रमों से आयकर विभाग की टीम को तीन करोड़ 20 लाख 93 हजार रुपये मिले थे। पांच दिन तक घर, दुकान, बाग और खाली जमीन की जांच कराई गई। घर के छह कमरों में भी तलाशी और खोदाई हुई, लेकिन अतिरिक्त नकदी नहीं मिली। आयकर विभाग की इन्वेस्टिगेशन टीम, पुलिस और बैंक अधिकारियों ने दोनों भाइयों से पूछताछ की। बरामद तीनों ड्रमों में रखे नोटों की गिनती पूरी कर ली गई है। अब यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि रकम कहां से जुटाई गई, किन लोगों के खातों के जरिये इसका लेनदेन हुआ और किन संपत्तियों पर खर्च की गई। पुलिस मामले में राकेश और राजेश के अलावा 15 से अधिक करीबियों के मोबाइल फोन और उनके संपर्कों की पड़ताल कर रही है। पुणे में रहने वाले दोनों भाइयों के दोस्तों और अन्य परिचितों के बारे में भी जानकारी जुटाई गई है। पुलिस ने इन लोगों से संबंधित रिकॉर्ड आयकर विभाग को उपलब्ध कराया है। आशंका है कि पांच ड्रमों में लाई गई नकदी में से दो की रकम खर्च कर दी गई है। अब इस रकम का पता लगाने के लिए राकेश और राजेश के रिश्तेदारों की संपत्तियों की पड़ताल की जा रही है। आयकर विभाग जमीन, मकान समेत दूसरी परिसंपत्तियों का ब्योरा जुटा रहा है। जांच में छह साल में खरीदी गई संपत्तियों के स्रोत का पता लगाया जा रहा है। पुलिस और आयकर विभाग पता लगा रहा है कि राकेश, राजेश ने कारोबार का विस्तार करने और कंपनी खोलने के लिए इतनी बड़ी रकम जुटाई थी या इसके पीछे कोई दूसरा उद्देश्य था। पुणे से सात बैगों में 15 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी लाने की जानकारी भी जांच के दायरे में है। आशंका है कि रकम लाने के लिए ट्रेन के जनरल कोच और निजी वाहनों का इस्तेमाल किया गया है। आयकर विभाग की टीम राकेश और राजेश के करीबियों के बैंक खातों और संपत्तियों का मिलान कर रही है।

## यूपी बोर्डः शैक्षिक विवरण में त्रुटि तो 12 नवंबर तक कराएं आनलाइन संशोधन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष–2027 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा पांच फरवरी से शुरू होकर 24 फरवरी तक आयोजित होगी। परीक्षार्थियों को शैक्षिक विवरण में त्रुटियां सुधारने का मौका दिया गया है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष–2027 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा पांच फरवरी से शुरू होकर 24 फरवरी तक आयोजित होगी। परीक्षार्थियों को शैक्षिक विवरण में त्रुटियां सुधारने का मौका दिया गया है। इसके लिए दो नवंबर से 12 नवंबर की मध्यरात्रि 12 बजे तक परिषद की वेबसाइट पर ऑनलाइन संशोधन की प्रक्रिया चलेगी।

# विधि विश्वविद्यालय के कुलसचिव की प्रशासनिक व कार्यकारी शक्तियां छिनी, कुलपति ने की कार्रवाई




प्रयागराज। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. उषा टंडन ने विवि के कुलसचिव वरुण कुमार पांडेय की प्रशासनिक व कार्यकारी शक्तियां वापस ले ली हैं।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. उषा टंडन ने विवि के कुलसचिव वरुण कुमार पांडेय की प्रशासनिक व कार्यकारी शक्तियां वापस ले ली हैं। कुलपति ने कुलसचिव को पूर्व में प्रदत्त समस्त प्रशासनिक एवं कार्यकारी शक्तियों एवं कार्यों को तत्काल प्रभाव से वापस लेने के संबंध में कारण बताओ नोटिस–सह–आदेश जारी किया है। कुलसचिव के आचरण एवं कार्यप्रणाली में गंभीर शिथिलता के आरोपों के मद्देनजर यह कार्रवाई की गई है। कुलसचिव पर आरोप है कि उन्होंने विवि के सक्षम प्राधिकारियों, विशेषकर कुलपति की ओर से जारी निर्देशों के अनुपालन में लापरवाही बरती।

इससे पहले पूर्व 26 सितंबर को इन्हीं मामलों में कुलसचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था लेकिन निर्धारित समय सीमा में उन्होंने जवाब नहीं दिया। ऐसे में कुलपति ने आदेश दिया है कि कुलसचिव को प्रदत्त अथवा उनकी ओर से प्रयोग की जा रही समस्त प्रशासनिक एवं कार्यकारी शक्तियां व कार्य तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक वापस लिए जाते हैं। इन कार्यों के संचालन के लिए अब कुलपति दूसरे अधिकारियों को अधिकृत करेंगी। कुलसचिव को लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए 10 दिन का समय दिया गया है।

विवि प्रशासन में सत्यनिष्ठा, कर्तव्यनिष्ठा, जवाबदेही एवं प्रशासनिक अनुशासन से कोई समझौता स्वीकार्य नहीं है। प्रत्येक पदाधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपने वैधानिक एवं संस्थागत दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के साथ करे। – प्रो. उषा टंडन, कुलपति, डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विवि

कुलपति ने विधि विवि में हुई भर्तियों में अनियमितता की। मैंने उसे उजागर किया जिसकी शासन की ओर जांच कराई जा रही है। जांच से ध्यान भटकाने के लिए मनगढ़ंत आरोप लगाए जा रहे हैं। मेरी नियुक्ति शासन से हुई है। कुलपति इसके लिए अधिकृत नहीं है कि कुलसचिव के अधिकार वापस ले सकें। – वरुण कुमार पांडेय, कुलसचिव, डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विवि

# हाईकोर्ट ने कहा–आईवीएफ प्रक्रिया असफल होना धोखाधड़ी नहीं, डाक्टर के खिलाफ मुकदमा रद्द




प्रयागराज। आईवीएफ उपचार से गर्भधारण नहीं होने पर डॉक्टर के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि मेडिकल प्रक्रिया का असफल होना अपने आप में अपराध नहीं है। धोखाधड़ी साबित करने के लिए यह दिखाना जरूरी है कि डॉक्टर की मंशा शुरुआत से ही मरीज को धोखा देने की थी। कोर्ट ने महिला फर्टिलिटी विशेषज्ञ के खिलाफ पूरी आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) प्रक्रिया का सफल न होना अपने आप में धोखाधड़ी का अपराध नहीं है। केवल मेडिकल प्रक्रिया का मनचाहा परिणाम नहीं मिलने या अनुबंध का पालन नहीं होने के आधार पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 के तहत मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। इसके लिए साबित करना होगा कि आरोपी का शुरुआत से ही धोखा देने का इरादा था। न्यायमूर्ति चव्हाण प्रकाश की एकल पीठ ने एक महिला फर्टिलिटी विशेषज्ञ के खिलाफ दर्ज आपराधिक कार्यवाही और समन आदेश को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। मामला बुलंदशहर के एक अस्पताल एवं फर्टिलिटी सेंटर में आईवीएफ उपचार से जुड़ा था। शिकायतकर्ता जयवीर सिंह का आरोप था कि डॉक्टर ने उनकी पत्नी को आईवीएफ से गर्भवती करने का भरोसा देकर 3.5 लाख रुपये लिए, लेकिन उपचार के बाद भी गर्भधारण नहीं हुआ। पैसे वापस मांगने पर डॉक्टर ने इन्कार कर दिया था। इस पर डॉक्टर के खिलाफ 156 (3) के तहत वाद दायर किया। ट्रायल कोर्ट ने धोखाधड़ी के तहत डॉक्टर के खिलाफ समन आदेश जारी किया था। याची डॉक्टर ने इस पूरे मामले को रद्द करने की मांग में याचिका दायर की। डॉक्टर ने दलील दी कि आईवीएफ की सफलता की कोई गारंटी नहीं होती और प्रक्रिया का असफल होना धोखाधड़ी का प्रमाण नहीं है। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल साइंस पूर्ण विज्ञान नहीं है। आईवीएफ की सफलता कई शारीरिक कारकों पर निर्भर करती है। उपचार के लिए ली गई रकम पेशेवर फीस थी, धोखाधड़ी से हासिल की गई संपत्ति नहीं।

कोर्ट ने कहा कि मजिस्ट्रेट को समन जारी करने से पहले साक्ष्यों का न्यायिक विवेक से परीक्षण करना चाहिए। यांत्रिक तरीके से समन जारी करना उचित नहीं है। कोर्ट ने समन आदेश, पुनरीक्षण अदालत का आदेश और पूरी आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी।

# युवक ने यूजीसी पर पूछा सवाल, नाराज भाजपा पार्षद पर पीटने का आरोप



प्रयागराज। दारागंज परेड ग्राउंड में रविवार को प्रबुद्ध ब्राह्मण सम्मेलन में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के भाषण के दौरान यूजीसी के मुद्दे पर सवाल पूछने पर अल्लापुर के भाजपा पार्षद विनय मिश्रा पर युवक को पीटने और गला दबाकर जान से मारने के प्रयास का आरोप लगा है।

दारागंज परेड ग्राउंड में रविवार को प्रबुद्ध ब्राह्मण सम्मेलन में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के भाषण के दौरान यूजीसी के मुद्दे पर सवाल पूछने पर अल्लापुर के भाजपा पार्षद विनय मिश्रा पर युवक को पीटने और गला दबाकर जान से मारने के प्रयास का आरोप लगा है। पीड़ित युवक ने पार्षद के खिलाफ दारागंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

कोरांव के बड़ोखर निवासी रोहित कुमार तिवारी उर्फ 'काका' के मुताबिक, सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मौजूद थे। उसने यूजीसी के मुद्दे पर डिप्टी सीएम से सवाल किया। आरोप है कि इससे नाराज पार्षद विनय मिश्रा ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसकी पिटाई की और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे बचाया।

इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए। सोमवार को पीड़ित ने दारागंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। जान–माल की सुरक्षा की गुहार लगाई। दारागंज थाना प्रभारी हरिकेश राय ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जांच की जा रही है। वहीं, पार्षद विनय मिश्रा उर्फ 'सिट्टू' ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि मारपीट नहीं हुई है। यह पूरा मामला प्रायोजित है। आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। बदनाम करने की साजिश के तहत इस तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

घटना से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पार्षद के खिलाफ लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। वीडियो को लेकर स्थानीय लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर घटना की निंदा करते हुए विरोध जताया जा रहा है।

## फ्लाइट फुल, वाराणसी–लखनऊ का टिकट बुक करा रहे यात्री, चुकाने पड़ रहे 27,000 रुपये

प्रयागराज। दिवाली से पहले पांच और छह नवंबर को प्रयागराज आने वाली अधिकांश उड़ानों में नो रूम की स्थिति बन गई है। इसकी वजह से विमानन कंपनियों ने किराये में भारी बढ़ोतरी कर दी है। सीटें फुल होने से यात्रियों को अब वाराणसी और लखनऊ के रास्ते टिकट बुक कराने पड़ रहे हैं। दिवाली से पहले पांच और छह नवंबर को प्रयागराज आने वाली अधिकांश उड़ानों में नो रूम की स्थिति बन गई है। इसकी वजह से विमानन कंपनियों ने किराये में भारी बढ़ोतरी कर दी है। सीटें फुल होने से यात्रियों को अब वाराणसी और लखनऊ के रास्ते टिकट बुक कराने पड़ रहे हैं। बंगलूरू से पांच नवंबर को प्रयागराज आने वाली इंडिगो की सीधी फ्लाइट फुल हो चुकी है। यात्रियों के पास केवल कनेक्टिंग फ्लाइट का विकल्प बचा है जिसका किराया 27,563 रुपये तक पहुंच गया है। वहीं, छह नवंबर को बंगलूरू से प्रयागराज का किराया 21,111 रुपये दर्ज किया गया है। मुंबई और दिल्ली रूट पर भी यात्रियों को जेब ढीली करनी पड़ रही है। पांच नवंबर को अकासा एयर से मुंबई से प्रयागराज का किराया 17,856 रुपये और इंडिगो का 17,882 रुपये हो गया है। छह नवंबर को यही किराया बढ़कर अकासा एयर में 23,094 रुपये और इंडिगो में 23,677 रुपये तक पहुंच जाएगा।

## हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण किया, नहीं पहुंचे राज्यपाल और सीजे

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से हाईकोर्ट के क्रिकेट मैदान में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन मंगलवार को किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. सीपी उपाध्याय, महासचिव संतोष कुमार मिश्रा समेत सभी पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से हाईकोर्ट के क्रिकेट मैदान में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन मंगलवार को किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. सीपी उपाध्याय, महासचिव संतोष कुमार मिश्रा समेत सभी पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद राधाकांत ओझा समेत तमाम लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला और विशिष्ट अतिथि हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली नहीं पहुंचे। इसके अलावा हाईकोर्ट के किसी भी न्यायाधीश ने शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा नहीं लिया। हाईकोर्ट बार के निवर्तमान अध्यक्ष भी कार्यक्रम में नहीं दिखे जो चर्चा का विषय बना रहा।



## नवजात की मौत के 11 महीने बाद दो डॉक्टर समेत प्रबंधक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। प्रयागराज के जॉर्जटाउन पुलिस ने दरभंगा कॉलोनी स्थित जनहित सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में एक नवजात बच्ची की मौत के मामले में करीब 11 महीने बाद एफआईआर दर्ज की है। प्रयागराज के जॉर्जटाउन पुलिस ने दरभंगा कॉलोनी स्थित जनहित सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में एक नवजात बच्ची की मौत के मामले में करीब 11 महीने बाद एफआईआर दर्ज की है। अधिवक्ता व पिता अनुराग शुक्ला ने अस्पताल की डॉ. आयुषी पांडेय, डॉ. व्यंजना पांडेय और प्रबंधक पर इलाज में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

मेजा के अमोरा गांव निवासी अनुराग शुक्ला ने बताया कि उन्होंने 16 नवंबर 2025 को पत्नी शोभा को प्रसव के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। 17 नवंबर को सिजेरियन ऑपरेशन से बेटी का जन्म हुआ। आरोप है कि जन्म के बाद बच्ची का टीकाकरण और समुचित जांच नहीं की गई। नाभि में संक्रमण के लक्षण दिखने और बच्ची ने दूध पीना बंद कर दिया। इसके बावजूद डॉक्टरों ने बाल रोग विशेषज्ञ को नहीं बुलाया। 19 नवंबर को उसकी हालत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई।

आयोग के हस्तक्षेप पर हुआ मेडिकल बोर्ड का गठन

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई न होने पर पिता ने जिलाधिकारी, सीएमओ, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग समेत विभिन्न मंचों पर गुहार लगाई। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के निर्देश पर मुख्य चिकित्साधिकारी की ओर से गठित तीन सदस्यीय मेडिकल बोर्ड (डॉ. आरसी पांडेय, डॉ. प्रमोद कुमार और डॉ. ऋचा पांडेय) ने माता–पिता के बयान और साक्ष्य दर्ज किए। बोर्ड ने 6 अप्रैल 2026 को सौंपी अपनी जांच आख्या सौंपी इसमें नाभि संक्रमण और गंभीर सेप्टिसीमिया की पुष्टि की गई और कहा कि बच्ची को बाल रोग विशेषज्ञ की उचित देखभाल नहीं मिली। जॉर्जटाउन थाना प्रभारी रुकुमपाल सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

डॉ. व्यंजना पांडेय ने कहा कि उन्हें इस मामले में कोई जानकारी नहीं है। उनके खिलाफ कब और कहां एफआईआर हुई है इसके बारे में पता चलने पर ही कुछ कहा जा सकता है।

## स्लीपर वंदे भारतः कम दूरी पर भी ज्यादा किराया, प्रयागराज से कानपुर 195 किमी और वाराणसी 124 किमी दूर

प्रयागराज। सोमवार से अपने नियमित सफर पर शुरू हुई वाराणसी–नई दिल्ली स्लीपर वंदे भारत (27421) सुविधाओं से ज्यादा अपने किराये के समीकरण को लेकर चर्चा में हैं। रेलवे के इस नए सफर में 'दूरी का फेर और किराये का अंधेर' कुछ ऐसा परवान चढ़ा है कि यात्री भी असमंजस में है।

सोमवार से अपने नियमित सफर पर शुरू हुई वाराणसी–नई दिल्ली स्लीपर वंदे भारत (27421) सुविधाओं से ज्यादा अपने किराये के समीकरण को लेकर चर्चा में हैं। रेलवे के इस नए सफर में 'दूरी का फेर और किराये का अंधेर' कुछ ऐसा परवान चढ़ा है कि यात्री भी असमंजस में है। रेलमार्ग से प्रयागराज से कानपुर 195 किमी और वाराणसी 124 किमी दूर है। बावजूद इसके स्लीपर वंदे भारत में दोनों ही शहरों के लिए जेब पर पड़ने वाला बोझ एक बराबर ही है। प्रयागराज से इन दोनों ही शहरों के लिए एसी–थ्री, एसी–टू और एसी–फर्स्ट का किराया क्रमशः 1010, 1305 और 1600 रुपये तय किया गया है।

ठीक ऐसी ही स्थिति वाराणसी से भी देखने को मिलती है। जहां से प्रयागराज और कानपुर का एसी थ्री, एसी टू और एसी फर्स्ट का किराया क्रमशः 1010, 1305 और 1600 रुपये ही है। भौगोलिक रूप से देखा जाए तो वाराणसी से कानपुर की दूरी 319 किमी है जबकि प्रयागराज 124 किमी दूर है। वाराणसी से कानपुर की दूरी और प्रयागराज की दूरी का यह फासला स्लीपर और चेयरकार वंदे भारत के बीच बिल्कुल जुदा तस्वीर पेश करता है। चेयरकार वंदे भारत (22435) में गणित सटीक और दूरी के हिसाब से चलता है।

इस ट्रेन में वाराणसी से कानपुर का चेयर कार का किराया 895 रुपये और वाराणसी से प्रयागराज के लिए चेयर कार का किराया 560 रुपये है। चेयरकार वंदे भारत के इन किराये में कैटरिंग (खानपान) का शुल्क भी पहले से ही समाहित होता है, जबकि स्लीपर वंदे भारत में कैटरिंग का विकल्प ही शामिल नहीं है। लोग सोशल मीडिया से लेकर प्लेटफॉर्म तक इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि रेलवे का यह किराया किस फॉर्मूले पर तय हुआ है जहां कम दूरी और ज्यादा दूरी का फासला एक समान टिकट काउंटर पर आकर खत्म हो जाता है।

स्लीपर वंदे भारत में यात्रियों के लिए न्यूनतम किराया योग्य दूरी 400 किमी निर्धारित की गई है। इसी वजह से वाराणसी से प्रयागराज एवं कानपुर का समान किराया दर्शाया जा रहा है। – हिमांशु शेखर उपाध्याय, सीपीआरओ, उत्तर रेलवे

## संक्षिप्त

### अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक मारी टक्कर, इलाज के दौरान दम तोड़ा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में किसान पथ पर सोमवार देर रात करीब 1 बजे बाजनगर अंडरपास के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान दुबग्गा के मलहा निवासी हरदेव लाल (28) पुत्र बाराती लाल के रूप में हुई। अंधे चौकी प्रभारी विनय गुरुदेव ने बताया कि युवक की जेब से मिले आधार कार्ड के जरिए उसकी पहचान हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हरदेव लाल आशियाना स्थित एक होटल में हेड शेफ था। सोमवार रात ड्यूटी खत्म करने के बाद वह बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान किसान पथ पर बाजनगर अंडरपास के पास विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। हरदेव की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

### बुद्धेश्वर ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में बुद्धेश्वर ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वह काम से घर लौट रहा था। पीछे से आए अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस उसे रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मायापुरम निवासी अजय गौतम (25) पुत्र अशोक कुमार के रूप में हुई है। वह मोटरसाइकिल मिस्त्री था। मंगलवार को वह दुबग्गा से काम खत्म कर बुद्धेश्वर रिंग रोड स्थित डिप्टीखेड़ा के पास अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान बुद्धेश्वर ओवरब्रिज पर पीछे से आए ट्रैक्टर ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। अजय की मां सुनीता और पिता अशोक कुमार हैं। उसकी शादी सोनम से हुई थी। तीन साल की बेटी लाडो है। बताया जा रहा है कि पत्नी करीब एक साल से मायके में रह रही है। परिवार में बड़े भाई विष्णु, भाई बाबूलाल और छोटे भाई प्रिंस हैं। अजय की मौत से परिवार में मातम पसरा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ट्रैक्टर और उसके चालक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

### प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत पथ विक्रेताओं हेतु भव्य स्वनिधि महोत्सव का आयोजन

प्रयागराज। नगर निगम एवं डूडा, प्रयागराज द्वारा संचालित प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत रेहड़ी–पटरी दुकानदारों को आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर एवं डिजिटल रूप से सक्षम बनाने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न 08 जनकल्याणकारी योजनाओं से पथ विक्रेताओं एवं उनके परिवारजनों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से दिनांक ''03.11.2026'' को जिला पंचायत परिसर, प्रयागराज में भव्य स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के माननीय कैबिनेट मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' जी द्वारा पथ विक्रेताओं, उनके परिवारजनों एवं उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए



बताया गया कि कोविड–19 महामारी से प्रभावित रेहड़ी–पटरी दुकानदारों को आर्थिक सहायता एवं आजीविका का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना उनके लिए वरदान सिद्ध हुई है तथा यह योजना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम बनी है। इस अवसर पर माननीय महापौर, नगर निगम प्रयागराज श्री उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी जी द्वारा अवगत कराया गया कि योजना के अंतर्गत 64,558 पथ विक्रेताओं को उनकी आजीविका से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य किया गया है तथा 51,429 पथ विक्रेताओं को डिजिटल लेन–देन को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहित किया गया है। महोत्सव के दौरान पथ विक्रेताओं के बच्चों हेतु रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सुश्री अर्शी, द्वितीय पुरस्कार सुश्री अंशी एवं तृतीय पुरस्कार सुश्री रितिका को प्राप्त हुआ। इसी प्रकार रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सुश्री काव्या, द्वितीय पुरस्कार सुश्री नीलू एवं तृतीय पुरस्कार सुश्री प्रीति को प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले पथ विक्रेताओं के बच्चों को सम्मानित किया गया। इनमें सुश्री आइसा जाहिर, सुश्री अनन्या, श्री अमित एवं श्री अनिकेत शामिल रहे। योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, डेमो चेक, क्रेडिट कार्ड एवं यूपीआई आईडी का वितरण माननीय मंत्री जी एवं माननीय महापौर जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर लाभार्थियों में रूबी, निहाल, खुर्शीद, संध्या, श्याम बाबू, स्वाति, रोहित, मंजू, निशा, विभा, खुशबू, अजय, नमिता, कमल, अनुज, सुनीता, जुमन, कामिनी, जरीना, गुंजा, संदीप एवं कुलदीप शामिल रहे। महोत्सव में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थी पथ विक्रेताओं द्वारा विभिन्न प्रकार के फूड स्टॉल लगाए गए। बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा पथ विक्रेताओं को डिजिटल लेन–देन हेतु प्रशिक्षित किया गया तथा योजना के लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री हेतु स्टॉल लगाए गए, जिससे महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रचार–प्रसार एवं विपणन का अवसर प्राप्त हुआ। बच्चों के मनोरंजन हेतु विभिन्न प्रकार के झूले एवं आकर्षण के केंद्र स्थापित किए गए। महोत्सव के दौरान भजन, गजल, नुक्कड़ नाटक, छोलिया नृत्य, जादू एवं लोकनृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई।

# श्री राम का आदर्श लोक जीवन मानवता का पथ प्रदर्शक: विनोदानन्द

**अपने समाज की थातियों को सहेजना ही महोत्सव का उद्देश्य: डॉ भगवत पाण्डेय**

## भव्य आरती और जयकारे के साथ महोत्सव का हुआ समापन

करछना। मनुष्य में सदाचरण, सत्य, निष्ठा, सामाजिक समरसता, समभाव, सद्भाव, आदर, सत्कार, प्रेम और सेवा भाव की अलख जगाने वाला श्रीराम का आदर्श लोक जीवन सच्चे मायने में प्रेरक और मानवता का पथ प्रदर्शक है। कलयुग में हमें संसार भव सागर के तारने, उबारने में राम–सीता नाम जाप सबसे सहज, सरल साधन है। रामपुर में आयोजित 28वें जमुनापार महोत्सव के समापन दिवस पर मुख्य कथा व्यास स्वामी विनोदानन्द जी महाराज ने यह उद्बोधन देते हुए इसे ही कथा का सार और जीवन का मूल मंत्र बताया। आचार्य पंकज जी महाराज ने प्रेम को जगत का सार बताते हुए अपनी संगीतमय कथा से श्रोताओं को रससिक्त किया। प्रवाचकों का अभिनन्दन करते



हुए महोत्सव के संयोजक डा. भगवत पाण्डेय ने कहा कि जमुनापार महोत्सव लगभग तीन दशक से अपने समाज के विभिन्न क्षेत्रों की थातियों को एक मंच पर संजोने के उद्देश्य को लेकर अनवरत आगे बढ़ रहा है। अपनी इस पहचान के लिए हमारी नई पीढ़ी के साथ हम सबको अपनी माटी, परिपाटी की इस पूंजी को संजोए रखने की जरूरत है। इसके पूर्व डा. सन्तोष शुक्ल समर्थ और डा.बीरेंद्र कुसुमाकर ने कविताओं की प्रस्तुति से खूब तालियां बटोरी। मंच का संचालन हास्य कवि अशोक सिंह बेशरम ने किया। प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कथा श्रवण को आये श्रोताओं और प्रवाचकों के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया।

इस मौके पर उमेश द्विवेदी, आशीष मिश्रा, केशव विश्वकर्मा, रामभवन द्विवेदी, राजकुमार विश्वकर्मा, उमाशंकर, अभिषेक श्रीवास्तव, विश्वेस ओझा, सुनील कुमार प्रजापति, विशाल चौबे सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# गंगानाथ झा परिसर के छात्र करेंगे युवा महोत्सव में प्रतिभाग

प्रयागराज। गंगानाथ झा परिसर की छात्रों का दल केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री महाराजा रणबीर सिंह परिसर, जम्मू में दिनांक 02.11.2026 से 04.11.2026 पर्यन्त आयोजित किये जा रहे युवा महोत्सव में प्रतिभाग हेतु परिसर के निदेशक वरिष्ठ आचार्य रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने परिसर के 25 छात्रों के दल को डॉ. अंजनी कुमार पुण्डरीक, अतिथि शिक्षक (योग) के मार्गदर्शन में रवाना अपने आशीर्वचनों एवं शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। परिसर के ही डॉ. राजकुमार मिश्र, सहायकाचार्य आमन्त्रित अतिथि के रूप में युवा महोत्सव में प्रतिभाग करने हेतु दल के साथ रवाना हुए। परिसर के छात्रों का यह दल युवा महोत्सव की विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करेगा। इस अवसर पर निदेशक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने सभी छात्रों को किट (ट्रैक सूट एवं स्पोर्ट्स शूज) वितरित की तथा उन्हें पूरे मनोयोग के साथ प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने को प्रेरित किया।




परिसरीय दल में रूपांश जैन,अनुज पाठक, सुरेशचन्द्र, प्रियांशु, प्रणव, प्रभात दुबे, दीपेश दुबे, निर्मल थुवाल, रमाकांत द्विवेदी, अंशुमान, शाश्वत, शशांक गौतम, प्रताप दास महंत, संजीत कुमार, अंकुर त्रिपाठी, आलोक पयासी, अगस्त्य मिश्रा, विशाल द्विवेदी, एम. शशांक, राममाधव पाल, मार्शल सारेन, विकास साहू, गौतम कुमार, कृतिका तिवारी, सुधांशु कुमार पांडेय सम्मिलित हैं। इस अवसर पर निदेशक वरिष्ठ प्रो. रामकृष्ण पाण्डुलिपि एवं हस्तलेख विभाग की अध्यक्षा प्रो. अपराजिता मिश्रा, अनुभाग अधिकारी श्री संजय कुमार मिश्र, श्री नन्द कुमार सहित समस्त अन्य परिसरीय सदस्य उपस्थित रहे।

# भारत में पहली बार एक ही रोबोटिक सर्जरी में दो अलग-अलग किडनी समस्याओं का इलाज, सात साल की बच्ची को मिली राहत

लखनऊ, संवाददाता। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ की यूरोलॉजी टीम ने भारत में पहली बार एक ही रोबोटिक सर्जिकल सत्र में सात साल की बच्ची की दोनों किडनियों से जुड़ी दो अलग–अलग जटिल जन्मजात समस्याओं का सफलतापूर्वक इलाज करने की उपलब्धि हासिल की है।' बच्ची की दाईं किडनी में पेल्वियूरेटेरिक जंक्शन यानी पीयूजे ऑब्स्ट्रक्शन था। इस समस्या में किडनी से पेशाब के बहाव में रुकावट आती है। वहीं, बाईं किडनी में ग्रेड–फोर वेसिकोयूरेटेरिक रिफ्लक्स यानी वीयूआर की समस्या थी। इसमें पेशाब मूत्राशय से वापस किडनी की ओर जाने लगता है।यह सर्जरी डॉ. गिवी गौरव, एसोसिएट डायरेक्टर एवं यूनिट हेड, यूरोलॉजी, यूरो–ऑन्कोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट के नेतृत्व में की गई।बच्ची को दो से तीन साल की उम्र से बार–बार यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन यानी यूटीआई की शिकायत थी। अलग–अलग जगहों पर इलाज कराने के बावजूद संक्रमण बार–बार हो रहा था। बाद में बच्ची को पेट के दाईं ओर और फ्लैंक यानी कमर के पास दर्द के साथ मतली की शिकायत हुई, जिसके बाद उसे अपोलोमेडिक्स लाया गया।विस्तृत जांच में दाईं किडनी में पीयूजे ऑब्स्ट्रक्शन के साथ एक लोअर–पोल क्रॉसिंग वेसल भी पाया गया। इसका मतलब है कि किडनी के निचले हिस्से के पास मौजूद एक रक्त वाहिका पेशाब के बहाव में रुकावट पैदा कर रही थी। दूसरी ओर, एमसीयूजी जांच में बाईं किडनी में ग्रेड–फोर वीआर की पुष्टि हुई। यह पेशाब के वापस किडनी की ओर जाने की गंभीर समस्या है।डीटीपीए जांच में पता चला कि दाईं किडनी लगभग 40 प्रतिशत और बाईं किडनी लगभग 60 प्रतिशत काम कर रही थी। डॉक्टरों के सामने चुनौती यह थी कि बेहतर काम कर रही बाईं किडनी में भी गंभीर रिफ्लक्स के साथ बार–बार संक्रमण का इतिहास था, जबकि दाईं किडनी में पेशाब के बहाव की महत्वपूर्ण रुकावट थी। दोनों किडनियों की समस्याएं अलग–अलग थीं और उनके इलाज के लिए दो अलग–अलग सर्जिकल प्रक्रियाओं की जरूरत थी। इसलिए डॉक्टरों ने दोनों का इलाज एक ही सर्जिकल सत्र में करने का निर्णय लिया।रोबोटिक सर्जरी के दौरान सबसे पहले दाईं किडनी की रुकावट दूर करने के लिए एंडरसन–हाइन्स पाइलोप्लास्टी की गई। इस प्रक्रिया में रुकावट वाले पीयूजे हिस्से को अलग करके उसका पुनर्निर्माण किया गया, ताकि पेशाब का बहाव सामान्य हो सके।

## सत्पथ पर बढ़ते रहो

(छप्पय)

साँसों का यह कोष निरंतर घटता रहता।
खरी–खरी यह बात साधु नित कहता रहता।
माया के जंजाल यहीं पर रह जाएँगे।
केवल तेरा कर्म साथ तेरे आएँगे।
समझ वक्त की चाल को सत्पथ पर बढ़ते रहे।
अंत काल में वे सदा सोकर भी हँसते रहे।।

गिनती की हैं साँस यह मत व्यर्थ गवाएँ।
ढल जाता है रूप न इसका मान बढ़ाएँ।
तजकर सब अभिमान श्वास की गति पहचानो।
झूठी जग की शान तनिक इसको भी मानो।
मात्र मुसाफ़िरख़ाना समझ काया के संसार को।
साधु–कर्म नित दिन करें तज दुनियावी मोह को।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

## शहर समता विचार मंच की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक लोकार्पण एवं दीपावली के उपलक्ष्य में आयोजित ऑनलाइन काव्यगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

''प्रयागराज।'' शहर समता विचार मंच के तत्वावधान में ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। गोष्ठी की अध्यक्षता रचना सक्सेना ने की तथा उमेश श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ।




आशा जाकड़ ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं कुशल संचालन उमा मिश्रा 'प्रीति' ने किया। इस अवसर पर कृष्णा राजपूत,डॉ. प्रतिमा दीवान, डा .शशि जायसवाल, अनीता दुबे, साधना खरे, अनुराधा गर्ग दीप्ति, संतोष मिश्रा, रेणुका पटेल, मल्लिका देव विष्णु, रंजना बिनानी, शोभा त्रिपाठी, सुषमा सिंह उर्मि, पूनम पांडे, मंजू लता नागेश सभी रचनाकारोंने अपनी सुंदर एवं भावपूर्ण रचनाओं की प्रस्तुति दी। अंत में उमा मिश्रा 'प्रीति' ने सभी अतिथियों एवं साहित्यकारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।


उत्तर मध्य रेलवे
सं.: Dy.CEE/PU/PRYJ/EIG/EPC-01/D138/2026 दिनांक : 29.10.2026
भारतीय रेल
''सार्वजनिक अधिसूचना''
उत्तर मध्य रेलवे के नीचे बताए गए सेक्शन पर बनी रेलवे लाइन और परिसर का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि नए बने स्विचिंग स्टेशन की 25000-वोल्ट 50Hz AC ओवरहेड ट्रैक्शन वायर को 15.11.2026 को या उसके बाद चालू (energize) किया जाएगा। उसी तारीख से, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली से चालू) माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उस ओवरहेड लाइन के पास नहीं जाएगा और न ही उसके आस-पास कोई काम करेगा।
ऊर्जाकरण की तिथि : 15.11.2026

| क्रम संख्या | खंड | किलोमीटर/लोकेशन/चैनेज से | तक |
|---|---|---|---|
| 1. | उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न में मौजूदा नई दिल्ली-हावड़ा रूट पर स्पीड को 160 किमी प्रति घंटा/200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के संदर्भ में किमी 719/1008 (CH: 719/847.33) - 719/1010 (CH: 719/797.33) पर नए 2×25 केवी पहाड़/एसएसपी को चालू करना। | पहाड़/एसएसपी 719/1008 (CH:719/847.33) | पहाड़/एसएसपी 719/1010 (CH:719/797.33) |

2493/26 (PH)
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
भारतीय रेल
सार्वजनिक अधिसूचना
उत्तर मध्य रेलवे के नीचे बताए गए सेक्शन पर बनी रेलवे लाइन और परिसर का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि नए बने स्विचिंग स्टेशन की 25000-वोल्ट 50Hz AC ओवरहेड ट्रैक्शन वायर को 15.11.2026 को या उसके बाद चालू (energize) किया जाएगा। उसी तारीख से, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली से चालू) माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उस ओवरहेड लाइन के पास नहीं जाएगा और न ही उसके आस-पास कोई काम करेगा।
ऊर्जाकरण की तिथि : 15.11.2026

| क्रम संख्या | खंड | किलोमीटर/लोकेशन/चैनेज से | तक |
|---|---|---|---|
| 1 | उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न में मौजूदा नई दिल्ली-हावड़ा रूट पर स्पीड को 160 किमी प्रति घंटा/200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के संदर्भ में किमी 935/26A (CH: 935/76.69) – 936/04A (CH: 935/941.69) पर नए 2 x 25 केवी रामवा टीएसएस को चालू करना। | रामवा टीएसएस 935/26A (CH: 935/76.69) | रामवा टीएसएस 936/04A (CH: 935/941.69) |

2495/26(A)
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
''सार्वजनिक अधिसूचना''
उत्तर मध्य रेलवे के नीचे बताए गए सेक्शन पर बनी रेलवे लाइन और परिसर का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि नए बने स्विचिंग स्टेशन की 25000-वोल्ट 50Hz AC ओवरहेड ट्रैक्शन वायर को 15.11.2026 को या उसके बाद चालू (energize) किया जाएगा। उसी तारीख से, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली से चालू) माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उस ओवरहेड लाइन के पास नहीं जाएगा और न ही उसके आस-पास कोई काम करेगा।
ऊर्जीकृत करने की तिथि: 15.11.2026

| खंड | किमी0/लोकेशन/चैनेज से | तक |
|---|---|---|
| उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न में मौजूदा नई दिल्ली-हावड़ा रूट पर स्पीड को 160 किमी प्रति घंटा/200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के संदर्भ में किमी 972/20 (CH:972/700) - 972/22 (CH:972/775) पर नए 2×25 केवी बिंदकी रोड/एसएसपी को चालू करना। | बिंदकी रोड/एसएसपी 972/20 (CH:972/700) | बिंदकी रोड/एसएसपी 972/22 (CH:972/775) |

2494/26(K)
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे
''सार्वजनिक अधिसूचना''
उत्तर मध्य रेलवे के नीचे बताए गए सेक्शन पर बनी रेलवे लाइन और परिसर का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि नए बने स्विचिंग स्टेशन की 25000-वोल्ट 50Hz AC ओवरहेड ट्रैक्शन वायर को 15.11.2026 को या उसके बाद चालू (energize) किया जाएगा। उसी तारीख से, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली से चालू) माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उस ओवरहेड लाइन के पास नहीं जाएगा और न ही उसके आस-पास कोई काम करेगा।
ऊर्जाकरण की तिथि : 15.11.2026

| खंड | किलोमीटर/लोकेशन/चैनेज से | तक |
|---|---|---|
| उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न में मौजूदा नई दिल्ली-हावड़ा रूट पर स्पीड को 160 किमी. प्रति घंटा/200 किमी. प्रति घंटा तक बढ़ाने के संदर्भ में किमी 778/1005 (CH: 778/454.58) -778/1008 (CH: 778/504.58) पर नए 2x25 केवी ऊंचडीह एसएसपी को चालू करना। | ऊंचडीह/एसएसपी 778/1008 (CH:778/454.58) | ऊंचडीह/एसएसपी 778/1008 (CH:778/504.58) |

2496/26 (MG)
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
सार्वजनिक अधिसूचना
उत्तर मध्य रेलवे के नीचे बताए गए सेक्शन पर बनी रेलवे लाइन और परिसर का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि नए बने स्विचिंग स्टेशन की 25000-वोल्ट 50Hz AC ओवरहेड ट्रैक्शन वायर को 15.11.2026 को या उसके बाद चालू (energize) किया जाएगा। उसी तारीख से, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली से चालू) माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उस ओवरहेड लाइन के पास नहीं जाएगा और न ही उसके आस-पास कोई काम करेगा।
ऊर्जाकरण की तिथि: 15.11.2026

| खंड | कि.मी./लोकेशन/चैनेज से | तक |
|---|---|---|
| उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न में मौजूदा नई दिल्ली-हावड़ा रूट पर स्पीड को 160 किमी प्रति घंटा / 200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के संदर्भ में किमी 906/08 (CH: 906/116)-906/10 (CH: 906/201) पर नए 2x25 केवी खागा एसपी को चालू करना। | खागा एसपी 906/08 (CH: 906/116) | खागा एसपी 906/10 (CH: 906/201) |

2497/26(AK)
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
प्रयागराज मण्डल
अभिव्यक्ति की अभिरुचि
रेलवे क्षेत्र/स्टेशन आयोध के सौंदर्यीकरण (सुधारीपन) हेतु उत्तर मध्य रेलवे के चुर्क (83000 sqm), रोनिगढ़ (35000 sqm), पहाड़ा (124800 sqm), मानिकपुर (30000 sqm) और हाथरस फोर्ट (80000 sqm) स्टेशनों के लिए
अभिव्यक्ति की अभिरुचि आमंत्रित की जाती है।
ई.ओ.आई. जमा करने की अंतिम तिथि
06.11.2026 को 12:00 बजे तक है।
वरि. मण्डल इंजीनियर (समन्वय) मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मण्डल नवाब युसुफ रोड, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश–211001
एक से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर लाटरी के माध्यम से आवंटन किया जायगा।
इस योजना से सम्बंधित किसी अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें–9794837445, 9794837220
अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट https://ncr.indianrailways.gov.in. पर जायें।
North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR
2505/26(AK)

# सम्पादकीय.....

## क्रूर होती मासूमियत

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में एक आठ साल का बच्चा, छह साल की बच्ची को क्रूरता के साथ पीटता–कुचलता नजर आया। पंचकूला के एक निजी स्कूल में घटी इस घटना ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। स्कूली छात्रों में नोक–झोंक, वाद–विवाद, मतभेद–मनभेद हमेशा होते रहे हैं। ऐसे में टीचर या अभिभावक तक शिकायत करके बात खत्म हो जाती थी। लेकिन यह आठ साल का बच्चा, जिस क्रूरता से केजी की बच्ची को खत्म करने की कोशिश में लगा था, उसने हमारे नीति–नियंताओं, शिक्षकों, अभिभावकों और आम लोगों तक को स्तब्ध कर दिया। बच्चे ने इस हमले को सुनियोजित तरीके से, समय–जगह का चुनाव करके अंजाम दिया। वह समय चुना जब उसके अपराध को देखने वाला कोई नहीं था। विज्ञान का धन्यवाद, जिसने सीसीटीवी कैमरा हमें उपलब्ध कराया। अन्यथा कोई विश्वास नहीं करता कि इतना छोटा बच्चा एक पेशेवर अपराधी की तरह वारदात को अंजाम देगा। हो सकता था रिकॉर्डिंग न होने पर किसी निर्दोष के सिर इस हमले का आरोप लग जाता। निस्संदेह, इस हादसे में स्कूल प्रशासन की गंभीर चूक है। आखिर स्कूल से अंतिम बच्चे के बाहर निकलने तक सुरक्षा की जिम्मेदारी क्यों नहीं निभायी गई? अब स्कूल पढ़ने जा रही छोटी बच्चियों व बच्चों के मां–बाप इस घटना से भयाक्रांत हैं कि क्या उनका बच्चा स्कूल में सुरक्षित है? शिक्षकों को भी इस बात को गंभीरता से समझना होगा कि बदलते दौर में बच्चे पहले जैसे नहीं रहे। शिक्षक–अभिभावक से ज्यादा उन्हें आज जो सबसे ज्यादा ज्ञान बांट रहा है, वह मोबाइल है। जो तमाम तरह की हिंसा सिखाने का स्रोत बन गया है। इस घटना के बाद, इस आठ साल के छात्र की क्रूर व्यवहार की वजह उसका मोबाइल पर हिंसक फ्री–फायर गेम खेलना बताया जा रहा है। जो एक ऑनलाइन एक्शन व शूटिंग आधारित गेम है। जिसमें खिलाड़ी हथियार, गोलियों और अन्य घातक साधनों से प्रतिद्वंद्वी का मुकाबला करते हैं। हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि बच्चों को छोटी उम्र में मोबाइल उपलब्ध कराने के घातक परिणाम भी हो सकते हैं। आमतौर पर अभिभावक अपने काम करने या आराम करने के दौरान बच्चों को बहलाने के लिये मोबाइल पकड़ा देते हैं। लेकिन यह भूल जाते हैं कि इंटरनेट पर प्रसारित होने वाले हिंसक कार्यक्रम बच्चों को कितने गहरे तक प्रभावित करते हैं। बच्चे का दिमाग एक कोरी स्लेट की तरह से होता है। उस पर जैसी छाप बचपन में पड़ती है, वही भविष्य में उसकी सोच व जीवन की दिशा निर्धारित करती है। जिस पश्चिमी संस्कृति व जीवन शैली पर आधारित गेम्स का इन दिनों मोबाइल पर प्रचलन है, वे बच्चों को संवेदनहीन और निर्मम बना रहे हैं। बच्चों में लगातार अधैर्य, अशांति व आक्रामकता बढ़ रही है। बच्चों को ये लगता है कि व्यावहारिक जीवन में भी ऐसा ही व्यवहार सामान्य बात है। बच्चों के व्यवहार में आ रहा यह बदलाव एक घातक संकेत है। हमारे नीति–नियंताओं और शिक्षकों–अभिभावकों को सजग–सतर्क होकर इस संकट के समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास करना होगा।

# सुरक्षित भोजन का सवाल

**कुलभूषण उपमन्यु**

*केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ*

मानव जीवन के लिए हवा, पानी के बाद जिंदा रहने के लिए भोजन ही मूलभूत आवश्यकता है। मानव समाज आदिकाल से ही भोजन के लिए संघर्षरत रहा है। सभ्यता का विकास जिस स्तर पर भी पहुंच जाए, भोजन की आवश्यकता हमेशा बनी ही रहेगी। आदिम समाजों में अधिकांश संघर्ष भोजन और भोजन प्रदान करने वाले क्षेत्रों के लिए ही होते रहे हैं। अधिकांश प्रवासन भी भोजन और आजीविका की तलाश में ही होते रहे हैं। यह प्रक्रिया आज भी किसी–न–किसी रूप में जारी है। वर्तमान संदर्भ में भोजन का अर्थ सुरक्षित, पोषक, स्वच्छ, मिलावट–रहित और मनुष्य द्वारा खाने योग्य भोजन से है। हमारे संविधान निर्माताओं ने इस बुनियादी जरूरत को समझ कर संविधान की धारा– 21 के अंतर्गत जीवन के अधिकार को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया है। उच्चतम न्यायालय ने इसकी व्याख्या आत्मसम्मान के साथ जीने के अधिकार के रूप में की है, जिसमें पर्याप्त सुरक्षित भोजन और बुनियादी जरूरतों तक पहुंच को शामिल किया गया है। धारा–47 राज्य के नीति–निर्देशक सिद्धांतों के अंतर्गत राज्य को निर्देश देती है कि भोजन में पोषक तत्वों में सुधार के साथ जीवन स्तर में सुधार करते हुए जन स्वास्थ्य में भी सुधार लाना सरकार की जिम्मेदारी है। वर्ष 2006 में भोजन सुरक्षा एवं मानकीकरण अधिनियम लाया गया। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एक नियामक प्राधिकरण बनाया गया है जो खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण, वितरण, बिक्री और आयात का नियमन और मानकीकरण की निगरानी करता है। वर्ष 2019 में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम द्वारा उपभोक्ताओं को असुरक्षित, मिलावटी, त्रुटिपूर्ण और गलत जानकारी देकर खाद्य सामग्रियों की बिक्री के विरुद्ध संरक्षण दिया गया है। संविधान की उच्चतम न्यायालय द्वारा समय–समय पर धारा–21 के अंतर्गत की गई व्याख्याओं में भोजन के अधिकार में उपलब्धता, पहुंच, सामर्थ्य के भीतर होना, सुरक्षा, पोषक तत्वों से युक्त होना और जानकारी शामिल है। वर्ष 2013 में भोजन का अधिकार कानून बनाकर जरूरतमंद लोगों तक आर्थिक सहायता प्राप्त भोजन उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की गई है। मिलावट के विरुद्ध भी पर्याप्त कानूनी प्रावधान किए गए हैं। उनके लागू करने में भले ही कुछ ढील रहती हो, जैसे कि आए दिन मिलावटी दुग्ध पदार्थ पकड़े जाने की खबरें आती रहती हैं। पकड़ के बावजूद इतने मामले होते हैं जो चिंता की बात है। यानी मिलावटखोरी सुरक्षित भोजन की उपलब्धता के रास्ते में बड़ी रुकावट है, किंतु शुद्ध और सुरक्षित भोजन की उपलब्धता के विषय में एक बात बिल्कुल नजरंदाज की जा रही है, जिसके विषय में कोई स्पष्ट कानूनी प्रावधान भी नहीं है। वह है, कीटनाशकों और खरपतवार नाशकों के अंधाधुंध प्रयोग के कारण जहरीली हो रही खाद्य सामग्रियां। यहां तक कि रोगियों को स्वास्थ्य लाभ के लिए दिए जाने वाले फल भी जहरीले रसायनों से मुक्त नहीं हैं। सब्जियों में और भी ज्यादा स्थिति खराब है, क्योंकि उनको स्प्रे के बाद थोड़े अन्तराल में ही उपयोग कर लिया जाता है, जिससे जहर को शमित होने का समय भी नहीं मिलता। भारत सरकार की सेंट्रल इन्सेक्टिसाइड बोर्ड एंड रजिस्ट्रेशन कमेटी द्वारा लाल और पीले त्रिकोण से अंकित दवाइयों का छिड़काव प्रतिबंधित करने की सिफारिश की गई है, क्योंकि ये अति–जहरीले और अधिक–जहरीले की श्रेणी में आते हैं। इनमें नीले और हरे त्रिकोण से अंकित रसायनों का ही प्रयोग स्प्रे के लिए करना चाहिए, क्योंकि ये कम जहरीले और सुरक्षित श्रेणी में आते हैं, किंतु इन सिफारिशों को लागू करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है, जिससे इन जहरीले रसायनों के प्रयोग को नियंत्रित नहीं किया जा सके। खरपतवार नाशकों में पैराक्यूएट और ग्लाइफोसेट जैसे रसायन अति जहरीले हैं और कैंसर कारक हैं। इनका असर भी जमीन में रह जाता है और फसलों तक पहुंच जाता है। इसका कुल प्रभाव उन इलाकों में देखा जा सकता है, जहां इन रसायनों का प्रयोग अधिक हो रहा है। पंजाब में बठिंडा का इलाका कैंसर बेल्ट बन चुका है। हिमाचल प्रदेश में भी कैंसर फैलने की दर राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है, क्योंकि यहां भी सब्जी, फलों पर कीटनाशकों और खरपतवार नाशकों का प्रयोग बढ़ता जा रहा है। गेहूं, धान, मक्की जैसी फसलों में अब निराई–गुड़ाई की परंपरा खत्म होती जा रही है। फटाफट ऐसे रसायनों का स्प्रे किया जा रहा है, जो उस फसल के अलावा सब कुछ जला देते हैं, जिसमें स्प्रे के लिए उसे बनाया गया है। खेतों में खाली होने पर पनपने वाले नए–नए खरपतवारों के लिए श्पैराक्यूएटश और श्ग्लाइफोसेटश जैसे रसायनों को धड़ल्ले से प्रयोग किया जा रहा है। स्प्रे में सावधानी के नाम पर भी जानकारी का पूर्ण अभाव ही दिखाई देता है। इसलिए सुरक्षित अन्न, सब्जियां और फल उपलब्धता करवाने के लिए इन अति जहरीले रसायनों की बिक्री प्रतिबंधित की जानी चाहिए। पर्याप्त जागरूकता फैलाने के लिए जरूरी कदम उठाने की योजना होनी चाहिए और किसानों को वैकल्पिक विधियां और रसायनों की जानकारी और उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। सरकार का जैविक और जहरमुक्त कृषि का संकल्प इस दिशा में बहुत अच्छा कदम है, किंतु इसको मुख्यधारा कृषि तक पहुंचने में अभी बहुत प्रयास करने की जरूरत है। आशा की जानी चाहिए कि सरकारें नागरिकों के जीवन के मौलिक अधिकार की रक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए जरूरी कदम उठाने की पहल करेंगी।

(स्वतंत्र लेखक हैं और हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष हैं।)

# दस दिन में चार चुनाव, तानाशाही को आखिरकार मिल रहा है जवाब

नित्य चक्रवर्ती

इस साल 25 अक्टूबर से 3 नवंबर के बीच सिर्फ दस दिनों में, चार राष्ट्रीय चुनाव तय थे। इनमें से, ब्राजील और सर्बिया में 25 अक्टूबर को और इजराइल में 27 अक्टूबर को चुनाव हुए। सिर्फ 3 नवंबर को, संयुक्त राज्य अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होंगे। सत्तारूढ़ रिपब्लिकन और विपक्षी डेमोक्रेट के बीच कड़वाहट से भरा चुनाव अभियान अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है, जिसमें सभी जनमत सर्वेक्षणों में डेमोक्रेट पार्टी को बढ़त मिली है। अब तक आये तीनों चुनाव नतीजों में तानाशाही के खिलाफ एक पक्का संदेश है। ब्राजील में, रविवार रात को चुनाव के घोषित अंतिम नतीजे, लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को अमेरिका का उपनिवेश बनाने के इरादे वाले घोर दक्षिणपंथी उम्मीदवार फ्ल्वियो बोल्सोनारो के कदमों के खिलाफ ब्राजील के लोगों की प्रभुसत्ता की पुष्टि थे। ब्राजील के मतदाताओं ने उनकी योजना को पूरी तरह से नाकाम कर दिया और वाम गठबंधन के उम्मीदवार लूला को अगले चार साल के लिए सत्ता सौंप दी, जिससे वे चौथी बार राष्ट्रपति बन गए। फ्लेवियो बोल्सोनारो ने अब अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ अमेरिका में शरण ले ली है। उन्होंने अभी तक हार नहीं मानी है, लेकिन जेल में बंद उनके पिता पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो से फर्क यह था कि सीनियर बोल्सोनारो 2022 के राष्ट्रपति चुनावों में अपनी हार के बाद भी ब्राजील में ही रहे और विद्रोह करने की कोशिश की। वे नाकाम रहे और सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें देशद्रोह के लिए 27 साल की जेल की सजा सुनाई। फ्लेवियो बोल्सोनारो के अमेरिका में बसने का तुरंत नतीजा ब्राजील के अति दक्षिणपंथी शाखा में निराशा है। अब कोई भी असरदार अति दक्षिणपंथी नेता नहीं है जो राष्ट्रपति लूला का मुकाबला कर सके। अति दक्षिणपंथी शाखा ने पहले चक्र में अच्छा प्रदर्शन किया और हाउस ऑफ डेप्युटीज में बहुमत और सीनेट में दो–तिहाई सीटें हासिल की। दोनों सदनों में बोल्सोनारो परिवार के बहुत सारे चुने हुए सदस्य हैं। लेकिन ब्राजील में अति दक्षिणपंथी शाखा का नेतृत्व संभालने के लिए किसी को भी काबिल नहीं माना जा रहा है। ब्राजील में सत्तारूढ़ गठबंधन अब जोश में है और काफी सक्रियता दिखा रहा है क्योंकि दो दूसरी दक्षिणपंथी पार्टियां, जिन्होंने चुनावों में बोल्सोनारो को समर्थन दिया था, फ्लेवियो के अमेरिका से ब्राजील की राजनीति चलाने के फैसले से दूरी बना रही हैं। अभी तक, ब्राजील में अति दक्षिणपंथी निराश हैं। अब यह राष्ट्रपति लूला और वाम गठबंधन पर निर्भर करेगा कि सरकार आम लोगों के लिए अपने प्रस्तावित कार्यक्रम को कैसे लागू करती है और राष्ट्रीय राजनीति में अति दक्षिणपंथियों को और अलग–थलग कैसे करती है। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम ने अर्जेंटीना, चिली, कोलंबिया, इक्वाडोर जैसे दूसरे देशों में वाम को तानाशाह ट्रंप समर्थक सरकारों के खिलाफ अपने संघर्ष को तेज करने के लिए नयी ऊर्जा दी है। जहां तक यूरोप के एक छोटे से देश सर्बिया का सवाल है, जो पहले के यूगोस्लाविया के बंटवारे से बना है, रविवार के राष्ट्रीय चुनाव के परिणाम जैसे आये वैसे पहले कभी नहीं हुए थे। विरोध करने वाले स्टूडेंट और युवा जो 14 साल पुराने एलेक्जेंडर वुसिक सरकार से लड़ रहे थे, ने स्टूडेंट स्ट्रीट पार्टी के बैनर तले एक साथ आकर 250 सदस्यों वाली संसद में 140सीटें जीत कर वुसिक सरकार को आसानी से हरा दिया। यह ग्रुप असल में ऐसी जीत और सरकार बनाने के लिए तैयार नहीं था। इसलिए एक नेता के साथ एक कोर टीम बनाने के लिए बातचीत चल रही है। सर्बिया के विरोध प्रदर्शन और आखिरकार सत्ता पर कब्जा करने में नेपाल और बांग्लादेश के घटनाक्रमों से मिलती–जुलती बातें हैं, लेकिन फर्क यह है कि सर्बिया के स्टूडेंट और युवाओं ने वुसिक सरकार को नहीं गिराया, उन्होंने प्रोटेस्ट मीटिंग कीं, लेकिन उन्हें हटाने के लिए राष्ट्रीय चुनाव का इंतजार किया। स्टूडेंट स्ट्रीट पिछले 14 सालों में वुसिक शासन के तानाशाही रवैए को खत्म करके देश को असली लोकतंत्र में बदलने के लिए 11सूत्री योजना पर काम कर रहा है। नए युवा नेता कह रहे हैं कि वे लोकतांत्रिक अधिकारों और संस्थानों के काम करने को पारदर्शी तरीके से पक्का करेंगे। जैसा कि एक लीडर ने समझाया कि पहला काम देश का सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विषमुक्तिकरण होना चाहिए। सर्बियाई चुनाव में छात्र आन्दोलन की सफलता का असर फ्रांस, इटली, स्पेन और यहां तक कि पुर्तगाल सहित दूसरे देशों में चल रहे विरोध आन्दोलनों पर भी पड़ा है। फ्रांस में, छात्र आन्दोलन छह हफ्ते से ज्यादा समय से जारी हैं। मैक्रो सरकार ने अभी भी विरोध कर रहे छात्र नेताओं के साथ समझौते के लिए बातचीत नहीं की है। बल्कि सुरक्षा के उपाय और बढ़ा दिए गए हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति चुनाव मई 2027 में होने हैं। मैरी ले पेन की घोर दक्षिणपंथी पार्टी और वाम पार्टी, दोनों ही आने वाले चुनावों के लिए विरोध प्रदर्शनों का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रही हैं। यह अभी भी साफ नहीं है कि फ्रांस में चल रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शनों से सबसे ज्यादा फायदा किसे मिलेगा। इजरायल में, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू मुश्किल में हैं क्योंकि सरकार बनाने के लिए जरूरी 61 सीटों के मुकाबले उनके पास 53 सीटें हैं, इसलिए वह किसी भी तरह से अपनी सरकार बनाने की स्थिति में नहीं हैं। उनके विरोधी आइजेनकोट को 48 सीटें मिली हैं, लेकिन अरब पार्टियों के बीच उनकी ज्यादा स्वीकार्यता है, जिन्हें कुल मिलाकर 19 सीटें मिली हैं और वे गठबंधन सरकार बनाने के लिए फैध्सला लेने वाले के तौर पर उभरे हैं। आखिर में जो भी सरकार बनेगी, उसके लिए उन्हें अरब पार्टियों पर निर्भर रहना पड़ेगा। इसका मतलब यह होगा कि फिलिस्तीनियों को लेकर इजरायल की मौजूदा नीति में काफी बदलाव करना होगा। नेतन्याहू के कार्यकाल के दौरान उनके तानाशाही रवैये को भी कम करना होगा। राष्ट्रपति ट्रम्प को भी अपनी इजरायल नीति के अनिश्चित भविष्य के लिए तैयार रहना होगा। अंत में, 3 नवंबर को अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होने हैं। ट्रम्प रिपब्लिकन पार्टी के गढ़ों में प्रचार कर रहे हैं, जहां डेमोक्रेट पार्टी के पक्ष में आए हालिया उछाल से उन्हें चुनौती मिल रही है। ट्रम्प की लोकप्रियता अंक गिरकर लगभग 30 प्रतिशत पर आ गई है। ज्यादातर जनमत सर्वेक्षणों में श्हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स्च (प्रतिनिधि सभा) में डेमोक्रेट को बहुमत मिलने का अनुमान है, जबकि सीनेट की सीटों के लिए कड़ा मुकाबला है, जिसमें डेमोक्रेट को थोड़ी बढ़त मिलती दिख रही है। सीनेट में बहुमत हासिल करने के लिए डेमोक्रेट्स को केवल चार और सीटों की जरूरत है। भले ही मध्यावधि चुनाव में ट्रम्प की पार्टी हार जाए, लेकिन ट्रम्प को कोई खतरा नहीं है, क्योंकि राष्ट्रपति के तौर पर उनके पास पर्याप्त वीटो शक्तियां हैं। हालांकि, अपने कार्यकाल के अगले दो वर्षों में उन्हें घरेलू मुद्दों पर ज्यादा ध्यान देना होगा और ऐसे कदम उठाने होंगे जिससे रिपब्लिकन पार्टी 2028 के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए बेहतर स्थिति में आ सके। मध्यावधि चुनाव में हार से निश्चित रूप से ट्रम्प के तानाशाही रवैये पर लगाम लगेगी।

# दीप संस्कृति का संरक्षण और संवर्धनः समय की माँग

– डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय'

भारतीय संस्कृति प्रकाश की संस्कृति है। हम अंधकार से प्रकाश की ओर जाने की प्रार्थना करने वाले लोग हैं – श्तमसो मा ज्योतिर्गमयश। हमारे यहाँ दीप केवल मिट्टी का पात्र नहीं, बल्कि जीवंत संस्कृति का प्रतीक है। वह हमारे जन्म से लेकर मृत्यु तक, दीपावली से लेकर देवालय तक, हर शुभ अवसर का साक्षी है। परन्तु दुरूख की बात है कि हम पाश्चात्य अंधानुकरण की चकाचौंध में अपनी इसी मूल दीप संस्कृति को धीरे–धीरे भूलते जा रहे हैं।

माटी के दिये का प्राकृतिक और वैज्ञानिक महत्व सभी को समझना होगा ।

माटी का दिया पंचतत्व से बना है – मिट्टी, पानी, अग्नि, आकाश और वायु। जब हम माटी का दिया जलाते हैं तो हम पंचतत्वों की आराधना करते हैं। इसका वैज्ञानिक महत्व भी कम नहीं है।

सरसों या तिल के तेल से जलता हुआ माटी का दिया वातावरण को शुद्ध करता है। इसके प्रकाश से निकलने वाली सूक्ष्म तरंगें वातावरण के हानिकारक कीटाणुओं को नष्ट करती हैं। आयुर्वेद में कहा गया है कि घी का दिया जलाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और मन में सात्विकता आती है। जबकि मोमबत्ती या बिजली की झालर से यह लाभ नहीं मिलता। मोमबत्ती के धुएँ में पैराफिन होता है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, और बिजली की रोशनी में वह आत्मीयता नहीं जो एक छोटे से दीये में है।

माटी का दिया पर्यावरण मित्र भी है। उपयोग के बाद वह पुनः मिट्टी में मिल जाता है। न कचरा, न प्रदूषण। इसके विपरीत प्लास्टिक की लाइटें, चीनी झालरें उपयोग के बाद कचरे का पहाड़ बन जाती हैं।



दीप संस्कृति केवल आध्यात्मिक नहीं, आर्थिक संस्कृति भी है। एक माटी का दिया कुम्हार के चाक पर बनता है। जब हम एक दिया खरीदते हैं तो हम किसी कुम्हार के घर का चूल्हा जलाते हैं। दीपावली पर लाखों कुम्हार परिवारों की रोजी–रोटी इसी पर निर्भर है।

जब हम बाजार से दो सौ रुपये की चीनी झालर लाते हैं, तो हमारा पैसा विदेश जाता है। जब हम दस रुपये के दस दीये खरीदते हैं, तो वह पैसा हमारे गाँव के कुम्हार रामदीन के घर जाता है, उसके बच्चों की किताबें खरीदता है।

अतः माटी का दिया जलाना श्स्वदेशीश और श्आत्मनिर्भर भारतश का सबसे सशक्त उदाहरण है।

आज जन्मदिन पर हम मोमबत्ती बुझाते हैं, जबकि हमारी संस्कृति दीया जलाने की है। बुझाना नहीं, जलाना हमारा आदर्श है। यह पाश्चात्य अंधानुकरण का ही परिणाम है कि हमें मोमबत्ती में आधुनिकता और माटी के दिये में पिछड़ापन नजर आने लगा है।

हमारे घरों से आँगन गायब हो गए, आँगन से तुलसी गायब हो गई और तुलसी के पास जलने वाला दिया गायब हो गया। फ्लैट संस्कृति में दीये के लिए जगह ही नहीं बची। हम अपने बच्चों को श्हैप्पी बर्थडेश तो सिखा देते हैं, पर यह नहीं सिखाते कि संध्या के समय दिया क्यों जलाना चाहिए ?

शिक्षा के मंदिरों में संस्कारशाला आयोजित की जा सकती है । विद्यालयों में बच्चों को दीप के महत्व के बारे में बताया जाए। दीपावली से पहले श्दीया बनाओ प्रतियोगिताश आयोजित हो, जहाँ बच्चे कुम्हार के साथ बैठकर दीया बनाना सीखें।

हमें अपनी दीप संस्कृति बचानी होगी और एक पवित्र संकल्प से शुरुआत करनी चाहिए। इस दीपावली हम संकल्प लें कि कम से कम 101 माटी के दीये अपने घर में अवश्य जलाएँगे। एक–एक घर से यह क्रांति शुरू होगी।

सामाजिक संस्थाओं की भूमिका जरूरी है। वह इस तरह के अभियान शुरू कर सकती हैं कि दीपावली की परम्परा पुनः लौट आए। साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्थाएँ दीपोत्सव, दीपदान जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करें। प्रयागराज में संगम तट पर होने वाला दीपदान इसका सुंदर उदाहरण है।

प्रचार–प्रसार के लिए सभी आवश्यक संसाधन प्रयोग में लाया जा सकता है। समाचार पत्र, सोशल मीडिया के माध्यम से माटी के दिये के वैज्ञानिक, पर्यावरणीय महत्व को जन–जन तक पहुँचाया जाए।

सरकारी सहयोग भी अति आवश्यक है। कुम्हारों को मिट्टी, चाक और बाजार उपलब्ध कराने में सरकार सहयोग करे, ताकि उन्हें दीया बनाने में घाटा न हो।

दीया केवल प्रकाश नहीं देता, दिशा भी देता है। वह हमें सिखाता है कि चाहे कितना भी अंधकार हो, एक छोटे से दीये में उसे चीरने की शक्ति है। वह हमें सिखाता है – जलो, पर दूसरों के लिए जलो। खुद पिघल कर भी दूसरों को प्रकाश दो।

यदि हम माटी के दिये की इस संस्कृति को पुनः पुनर्जीवित करने का प्रयास करेंगे, तो केवल एक परम्परा ही जीवित नहीं होगी, बल्कि हमारी पूरी संस्कृति सुरक्षित और संरक्षित रहेगी। हमारी आने वाली पीढ़ी को पता चलेगा कि भारत रोशनी का देश है, और यह रोशनी किसी कारखाने से नहीं, बल्कि हमारे गाँव के कुम्हार के चाक से, हमारी माटी से निकलती है।

आइए, इस बार एक दिया माटी का, एक दिया संस्कृति के नाम जलाएँ।

निवास – 'पत्रकार भवन'
गंधियांव करछना प्रयागराज, उप्र पिनकोड – 212301
मोबाइल 9935 205341, अथवा 8299 280 381



# मेरी जिंदगी की रोशनी बेटी, रामायण से ज्यादा 6 नवंबर का इंतजार कर रहे हैं रणबीर कपूर, बताई खास वजह

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म रामायण को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वह भगवान राम की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है और रणबीर भी साई पल्लवी के साथ इसके प्रमोशन में जुटे हुए हैं। हाल ही में दोनों लंदन पहुंचे, जहां उन्होंने बीबीसी के एक रेडियो शो में फिल्म और अपनी जिंदगी से जुड़े कई दिलचस्प किस्से साझा किए। इस बातचीत के दौरान रणबीर ने कुछ ऐसा कहा, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया। जब उनसे पूछा गया कि उनकी जिंदगी में सबसे ज्यादा रोशनी कौन लेकर आता है, तो उन्होंने बिना सोचे अपनी बेटी राहा का नाम लिया। इतना ही नहीं, एक्टर ने यह भी बताया कि उनके लिए 6 नवंबर का दिन क्यों बेहद खास है। बीबीसी रेडियो शो में दिवाली के मौके पर रणबीर कपूर और साई पल्लवी से एक खास सवाल पूछा गया। दोनों से जानना चाहा गया कि उनकी जिंदगी में वह कौन है, जो दीये की तरह रोशनी लेकर आता है। इस पर रणबीर ने तुरंत अपनी बेटी राहा कपूर का नाम लिया। उन्होंने बताया कि राहा उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी रोशनी हैं। बातचीत के दौरान रणबीर ने बेटी के जन्मदिन का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि राहा की चौथी दिवाली आने वाली है और उनका जन्मदिन 6 नवंबर को है, जो दिवाली से ठीक दो दिन पहले पड़ता है। एक्टर चाहते हैं कि उनकी बेटी को हमेशा ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद मिले और उसकी जिंदगी खुशियों से भरी रहे। रणबीर की इस बात से साफ झलकता है कि वह अपनी बेटी से कितना प्यार करते हैं और उसके लिए यह खास समय उनके लिए कितनी अहमियत रखता है। रणबीर कपूर के लिए नवंबर का पहला हफ्ता बेहद खास होने वाला है। उनकी फिल्म रामायण 5 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है, जबकि इसके अगले ही दिन यानी 6 नवंबर को उनकी बेटी राहा का जन्मदिन है। इस तरह फिल्म की रिलीज और बेटी का जन्मदिन लगातार दो दिनों में आने से यह मौका रणबीर के लिए और भी यादगार बन गया है। इस खास संयोग पर पहले भी चर्चा हो चुकी है। एक इंस्टाग्राम लाइव सेशन के दौरान जब एक फैन ने रणबीर को बताया था कि उनकी फिल्म बेटी के जन्मदिन के आसपास रिलीज हो रही है, तो उन्होंने इसे खूबसूरत संयोग बताया था। अब लंदन में प्रमोशन के दौरान भी एक्टर ने इस बात का जिक्र किया। जाहिर है कि उनके लिए फिल्म की रिलीज जितनी खास है, उससे कहीं ज्यादा खुशी बेटी राहा का जन्मदिन मनाने की है। रणबीर पहले भी बता चुके हैं कि रामायण उनकी बेटी राहा के लिए बेहद खास फिल्म होने वाली है। उन्होंने बताया था कि यह पहली बड़ी फिल्म होगी, जिसे राहा सिनेमाघर में देखेंगी। ऐसे में इस फिल्म से रणबीर की कई निजी यादें भी जुड़ गई हैं। एक्टर के लिए राहा का जन्म उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव लेकर आया। पिता बनने के बाद उन्होंने खुद को और अपनी जिम्मेदारियों को एक नए नजरिए से देखना शुरू किया। यही वजह है कि रामायण उनके लिए सिर्फ एक बड़े बजट की फिल्म नहीं, बल्कि उनके जीवन के एक खास दौर से भी जुड़ी हुई है। रणबीर कपूर ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि जब उन्हें भगवान राम का किरदार निभाने का मौका मिला, तो शुरुआत में वह इस जिम्मेदारी को लेकर थोड़े घबराए हुए थे। उन्हें पता था कि भगवान राम का किरदार निभाना आसान नहीं है और दर्शकों की इससे भावनाएं जुड़ी हुई हैं। हालांकि, समय के साथ उनका डर आभार में बदल गया। रणबीर के मुताबिक, उस समय वह अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव लाने के बारे में सोच रहे थे। इसी दौरान वह पिता भी बने और उन्हें भगवान राम की भूमिका निभाने का अवसर मिला। एक्टर ने पिता बनने और इस किरदार को मिलने के संयोग को अपनी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बताया। उनके लिए इन दोनों अनुभवों ने निजी और पेशेवर जिंदगी को एक नई दिशा दी। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म रामायण राइज ऑफ ए लीजेंड 5 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के विशेष प्रीव्यू शो 4 नवंबर को आयोजित किए जाएंगे। फिलहाल दर्शकों को इस भव्य फिल्म का इंतजार है। वहीं, रणबीर कपूर के लिए ये दो दिन बेहद यादगार रहने वाले हैं। 5 नवंबर को उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म रिलीज होगी और 6 नवंबर को उनकी लाडली राहा चार साल की हो जाएंगी।

> “ बीबीसी रेडियो शो में दिवाली के मौके पर रणबीर कपूर और साई पल्लवी से एक खास सवाल पूछा गया। दोनों से जानना चाहा गया कि उनकी जिंदगी में वह कौन है, जो दीये की तरह रोशनी लेकर आता है। इस पर रणबीर ने तुरंत अपनी बेटी राहा कपूर का नाम लिया।



## मेरी तरह शादी में देर मत करना, जल्दी बच्चे पैदा कर लो.. शाहिद कपूर ने क्यों दी अपने छोटे भाई को ऐसी सलाह ?

बॉलीवुड स्टार शाहिद कपूर ने बताया कि उनके अनुसार लोगों को, खासकर पुरुषों को, शादी करने में देरी क्यों नहीं करनी चाहिए। कपिल शर्मा के शो में ईशान खट्टर और मीरा राजपूत के साथ पहुंचे शाहिद कपूर ने बताया कि कम उम्र में माता–पिता बनने से आप अपने बच्चों के बड़े होने के दौरान उनके साथ ज्यादा सक्रिय रूप से जुड़ सकते हैं। शो के दौरान शाहिद ने ईशान को जल्दी शादी करने की सलाह दी और कहा कि वे उनकी तरह देर से शादी न करें। इस पर कपिल ने उनसे पूछा कि उन्हें क्यों लगता है कि शादी में देरी नहीं करनी चाहिए। इस सवाल के जवाब में शाहिद ने बताया कि शादी ने उन्हें अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स (काम की जिम्मेदारियों) और निजी जीवन के बीच का अंतर समझने में कैसे मदद की। उन्होंने आगे कहा, दूसरी बात यह है कि मेरा बेटा 8 साल का है और उसे क्रिकेट और फुटबॉल बहुत पसंद है। मैं सोचता हूं कि मैं उसके साथ कब तक खेल पाऊंगा ? मेरी बेटी को चढ़ना–कूदना पसंद है। इसलिए मैं चाहता हूं कि जब तक वे बड़े न हो जाएं, तब तक मैं उनके साथ ये सब चीजें कर सकूं। जब आप युवा होते हैं, तो आप वो सब कर सकते हैं जो आपके बच्चे आपको करते हुए देखना चाहते हैं लेकिन एक समय के बाद, ये चीजें थोड़ी मुश्किल हो जाती हैं। एक निश्चित उम्र के बाद, इनमें से कुछ काम करना कठिन हो जाता है। बता दें कि शाहिद कपूर ने 7 जुलाई 2015 को दिल्ली में एक निजी समारोह में मीरा राजपूत से शादी की थी। इस जोड़े की उम्र में लगभग 13 साल का अंतर है। जब शाहिद ने मीरा से शादी की, तब उनकी उम्र 34 साल थी, जबकि मीरा उस समय सिर्फ 20 साल की थीं। शादी के कुछ समय बाद ही शाहिद और मीरा माता–पिता बन गए। 26 अगस्त 2016 को उनके घर पहली संतान, बेटी मिशा कपूर का जन्म हुआ। लगभग दो साल बाद, सितंबर 2018 में, इस जोड़े के घर दूसरी संतान, बेटे जैन कपूर का जन्म हुआ। फिलहाल शाहिद 45 साल के हैं। 25 फरवरी 1981 को जन्मे इस अभिनेता ने कई बार बताया है कि पिता बनने और परिवार के आने से उनके जीवन को एक नया नजरिया मिला है।

# 21 साल की उम्र में ही मां बनीं मीरा राजपूत, करीना से बोलीं- मुझे कोई पछतावा नहीं है, शाहिद कपूर ने मेरा बहुत साथ दिया



बॉलीवुड स्टार करीना कपूर ने हाल ही में मीरा राजपूत के साथ कम उम्र में मां बनने के अनुभव पर खुलकर बातचीत की। मीरा राजपूत, जो हाल ही में करीना कपूर खान के चौट शो व्हाट विमेन वांट में नजर आईं, उनसे करीना ने पूछा कि क्या उन्हें 21 साल की उम्र में माँ बनने का कभी पछतावा हुआ, या क्या वह चाहती थीं कि चीजें कुछ अलग होतीं,खासकर तब, जब उनके ज्यादातर दोस्त अपनी कॉलेज और यूनिवर्सिटी की जिंदगी का मजा ले रहे थे। इस सवाल के जवाब में, मीरा ने कहा कि उन्हें बिल्कुल भी पछतावा नहीं है। उन्होंने अपने पति, अभिनेता शाहिद कपूर को इसका श्रेय दिया, जो उनके मां बनने के शुरुआती दिनों में उनके लिए एक बड़ा सहारा बने। करीना को जवाब देते हुए मीरा ने कहा कि मां बनने के साथ अपनी चुनौतियां आती हैं, चाहे आप किसी भी उम्र में मां बनें। मीरा ने कहा, नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे लगता है कि मां बनने के अपने अलग–अलग पड़ाव होते हैं और हर पड़ाव पर अपनी चुनौतियां होती हैं। मेरा मतलब है कि हम दोनों ने अलग–अलग उम्र में बच्चों को जन्म दिया, लेकिन मुझे यकीन है कि हम दोनों ने बच्चों की परवरिश के दौरान एक जैसी चुनौतियां महसूस की होंगी । कभी–कभी बहुत ज्यादा दबाव महसूस करना, या ऐसा लगना कि हम यह काम पहली बार कर रहे हैं, क्योंकि असल में हम ऐसा पहली बार ही कर रहे होते हैं। हर कोई इसे पहली बार ही करता है। मीरा की बात से सहमत होते हुए करीना ने कहा, बिल्कुल। मीरा ने आगे बताया कि उस दौर में शाहिद कपूर उनके लिए एक मजबूत सहारा बने रहे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उस समय, शायद जिस चीज ने मेरी सबसे ज्यादा मदद की, वह यह थी कि मेरे साथ शाहिद थे, जो बहुत ज्यादा सपोर्टिव थे। मेरी दो बहनें भी थीं, जिनके पहले से ही बच्चे थे। इसमें चुनौतियां जरूर हैं लेकिन आज मुझे लगता है कि मैं अपनी जिंदगी को किसी और तरह से नहीं जीना चाहूंगी। बातचीत के दौरान, मीरा ने अपने बच्चों, मीशा और जैन की उम्र के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी का जन्म तब हुआ था जब वह 21 साल की थीं, जबकि उनके बेटे का जन्म उनके 24वें जन्मदिन से ठीक पहले हुआ था। जब करीना ने पूछा, तो क्या मीशा का जन्म तब हुआ था जब आप 21 साल की थीं? मीरा ने जवाब दिया, हां, 21 साल की उम्र में उनका जन्म मेरे 22वें जन्मदिन से कुछ समय पहले हुआ था। जैन का जन्म मेरे 24वें जन्मदिन से दो दिन पहले हुआ था। इसलिए मुझे सचमुच अस्पताल में ही अपना केक काटना पड़ा। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि शाहिद कपूर और मीरा राजपूत की शादी जुलाई 2015 में दिल्ली में एक निजी समारोह में हुई थी। उनकी बेटी मिशा का जन्म 26 अगस्त 2016 को हुआ था, जबकि उनके बेटे जैन का जन्म 5 सितंबर 2018 को हुआ था।



# पटाखे न जलाने पर हुआ था विवाद, अब दीया मिर्जा के समर्थन में उतरा बॉम्बे हाई कोर्ट, बीएमसी को वीडियो दोबारा अपलोड करने का आदेश

> “ एक्ट्रेस ने कोर्ट के निर्देशों के तहत वीडियो बनाया। नेताओं को इस मुद्दे को दूसरा रंग नहीं देना चाहिए। ”

बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को निर्देश दिया कि वह अभिनेत्री दीया मिर्जा का जन–जागरूकता वीडियो फिर से अपलोड करे। इस वीडियो में नागरिकों से अपील की गई थी कि वे दिवाली के दौरान सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे न जलाएं। उन्होंने यह वीडियो कोर्ट के पिछले निर्देशों के तहत अपलोड किया था, जिसका उद्देश्य प्रदूषण को कम करना था। जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस डॉ. नीला गोखले की खंडपीठ ने इस जागरूकता अभियान में हिस्सा लेने के लिए अभिनेत्री के खिलाफ कुछ राजनीतिक नेताओं द्वारा की गई टिप्पणियों पर कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने यह भी दोहराया कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और जनहित में जारी न्यायिक निर्देशों का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। बीएमसी ने दिवाली जागरूकता अभियान के तहत दीया मिर्जा को शामिल किया था, ताकि नागरिकों को वायु प्रदूषण के बारे में जागरूक किया जा सके और सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे जलाने पर कोर्ट द्वारा लगाई गई पाबंदियों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जा सके। हालांकि, मुंबई बीजेपी प्रमुख अमित सातम और बीएमसी मेयर रितु तावड़े सहित बीजेपी नेताओं की आपत्तियों के बाद, नगर निकाय ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से यह वीडियो हटा दिया था। तावड़े ने मिर्जा की अपील की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उनका विरोध हमेशा हिंदुत्व और उससे जुड़े लोगों के खिलाफ होता है। उन्होंने तर्क दिया कि हिंदुओं को दिवाली मनाने के तरीके पर किसी सीख की जरूरत नहीं है और अभिनेत्री पर एक खास एजेंडा चलाने का आरोप लगाया। मिर्जा ने सोमवार को न्यूज एजेंसी से कहा, दिवाली अंधकार पर प्रकाश, अज्ञानता पर ज्ञान और निराशा पर आशा की जीत का प्रतीक है। यह वीडियो जन–जागरूकता के हित में रिकॉर्ड किया गया था, ताकि लोग दिवाली को अधिक स्वस्थ और समझदारी भरे तरीके से मना सकें। वायु प्रदूषण सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा है और इसे कम करने की हर कोशिश सभी के लिए एक बेहतर पर्यावरण की दिशा में एक कदम है। बी.एम.सी के दिवाली अभियान में कई जानी–मानी हस्तियां शामिल थीं, जिनमें अभिनेत्री माधुरी दीक्षित और क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे भी थे। इन्होंने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार तरीके से त्योहार मनाने का संदेश दिया। हालांकि, मिर्जा की भागीदारी पर सवाल उठाए गए। आलोचकों ने इस बात पर आपत्ति जताई कि त्योहार मनाने के तरीकों को लेकर जनता को सलाह देने में मशहूर हस्तियों को क्यों शामिल किया गया।



## त्योहारों पर मेहमानों को खिलाएं 5 फ्लेवर का पोटली समोसा, हर कोई पूछेगा रेसिपी

समोसा खाना लगभग हम सभी को पसंद होता है। यह एक परफेक्ट स्नैक है, लेकिन अगर आप भी आलू वाला समोसा खाकर बोर हो गई हैं। तो अब आप थोड़ा नया और मजेदार पोटली समोसा ट्राई करें। जितना प्यारा इसका नाम है, उतना ही इसका लुक और टेस्ट भी लाजवाब होता है। गोल–गोल छोटी पोटली जैसी शेप में बना यह समोसा अंदर से टेस्टी और क्रिस्पी होता है। खास बात यह है कि आप इसको 5 अलग–अलग फ्लेवर में तैयार कर सकती हैं। जिससे कि हर बार इसका स्वाद अलग और नया लगे। आप त्योहारों में इसको स्नैक्स की तरह भी बना सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कौन–कौन से फ्लेवर में पोटली समोसा बनाकर तैयार कर सकती हैं। वहीं यह मेहमानों को भी बेहद पसंद आएगा।

आलू मसाला पोटली समोसा

आलू मसाला वाला पोटली समोसा सबसे पसंदीदा और क्लासिक फ्लेवर है। इसको बनाने के लिए उबले आलू, हरी मिर्च, मटर, अदरक और थोड़ा सा गरम मसाला मिलाकर फिलिंग तैयार कर लें। अब पतली मैदा की पोटली बनाकर फीलिंग करें और इसके किनारे को पोटली शेप दें। अब तेल में इसको सुनहरा होने तक तलें। इस समोसे का स्वाद करीब–करीब हर किसी को पसंद आएगा।

पनीर पोटली समोसा

अगर आप भी रिच फ्लेवर चाहती हैं, तो आपको एक बार पनीर पोटली समोसा ट्राई करना चाहिए। इसके लिए पनीर को मैश या ग्रेट करके इसमें हरी मिर्च, धनिया, प्याज और नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें। आप चाहें तो इसमें चीज भी मिला सकती हैं। अब इसको पोटली की तरह बंद कर दें। यकीनन पनीर पोटली समोसा बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएगा।

वेज मिक्स पोटली समोसा

अगर आपके बच्चे भी सब्जियां खाने में आनाकानी करते हैं, तो आप उनको वेज मध्क्ध्स पोटली समोसा बनाकर खिला सकती हैं। इसको बनाने के लिए बीन्स, मटर, गाजर, पत्तागोभी और कॉर्न जैसी सब्जियों को बारीक काटकर हल्का भून लें। फिर इसमें काली मिर्च, नमक और थोड़ा सा सोया सॉस डालें। यह फ्लेवर इंडो चाइनीज जैसा लगेगा। वहीं बच्चे भी इसको स्वाद लेकर खाएंगे।

ड्राई फ्रूट्स वाला पोटली समोसा

अगर आप भी त्योहारों के मौसम में मेहमानों और बच्चों को कुछ रॉयल बनाकर खिलाना चाहती हैं, तो आप ड्राई फ्रूट्स वाला पोटली समोसा ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए बादाम, किशमिश, काजू, खोया और इलायची पाउडर मिलाकर स्टफिंग तैयार करें। फिर इसकी पोटली बांधकर घी में फ्राई करें। फिर ऊपर से शहद या फिर चीनी की हल्की चाशनी डाल दें। यह मीठा पोटली समोसा खाने में बेहद टेस्टी होता है।

चीज–गार्लिक पोटली समोसा

अगर आप चीज लवर हैं, तो चीज–गार्लिक पोटली समोसा आपके लिए बना है। इसके लिए बटर में थोड़ा सा लहसुन भून लें और लहसुन को मैश करके इसमें ओरेगानो, चीज और थोड़ा सा नमक मिलाएं। ये स्टफिंग पोटली समोसे को जबरदस्त टेस्ट देगा। इसको डीप फ्राई करें और सर्व करें। वहीं बच्चों को चीज गार्लिक पोटली समोसे का स्वाद काफी पसंद आएगा।

## नए रिश्ते में ये 8 बातें पहचानें, वरना प्यार नहीं सिर्फ टेंशन और पछतावा मिलेगा



रिश्ता तभी खूबसूरत और टिकाऊ होता है जब उसमें भरोसा, सम्मान और समानता हो। अगर इनमें से कोई भी कमी हो, तो इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। नए रिश्ते में अक्सर शुरुआती प्यार और अटेंशन सबकुछ परफेक्ट लगता है, लेकिन समय के साथ अगर यही रिश्ता आपको तनाव और परेशानियों में डालने लगे, तो समझिए कि कुछ रेड फ्लैग्स आपके सामने हैं। रेड फ्लैग्स का मतलब है ऐसे संकेत जो बताते हैं कि यह रिश्ता मानसिक और भावनात्मक रूप से नुकसानदेह हो सकता है। इन संकेतों को पहचानना और समय रहते कदम उठाना आपके लिए बेहद जरूरी है।

पार्टनर का ओवर–कंट्रोलिंग बिहेवियर

अगर आपका पार्टनर हर चीज पर नियंत्रण करने लगेकृ आप क्या पहनें, किससे बात करें, कहां जाएंकृतो यह रिश्ता आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है। हेल्दी रिलेशनशिप में दोनों पार्टनर्स को अपनी स्पेस और भरोसा बनाए रखने की स्वतंत्रता होना बहुत जरूरी है।

बार–बार गुस्सा करना या बहस बढ़ाना

अगर आपका पार्टनर बार–बार छोटी–छोटी बातों पर गुस्सा करता है, चिल्लाता है या आपको नीचा दिखाता है, तो यह टॉक्सिक रिलेशनशिप की एक साफ निशानी है। किसी भी रिश्ते में प्यार के साथ–साथ सम्मान होना जरूरी है, डर नहीं।

आपके इमोशंस की अनदेखी करना

अगर पार्टनर आपकी फीलिंग्स को बार–बार नजरअंदाज करता है या मजाक में उड़ा देता है, तो यह इमोशनल नेगलेक्ट कहलाता है। रिश्ते में एक–दूसरे की बातों को सुनना और समझना बहुत जरूरी है।

झूठ बोलना या बातें छिपाना

हर रिश्ते की नींव भरोसे पर टिकी होती है। अगर आपका पार्टनर बार–बार झूठ बोलता है या महत्वपूर्ण बातें आपसे छिपाता है, तो यह साफ संकेत है कि रिश्ता मजबूत और सुरक्षित नहीं है।

हमेशा खुद को सही साबित करना

अगर आपका पार्टनर अपनी गलती कभी स्वीकार नहीं करता और हमेशा आपको दोष देता है, तो यह रिश्ता लंबे समय तक टिकने वाला नहीं है। हेल्दी रिलेशनशिप में दोनों पार्टनर बराबर जिम्मेदारी लेते हैं और अपने व्यवहार के लिए जवाबदेह होते हैं।

आपके दोस्तों या परिवार से दूरी बनाना

अगर आपका पार्टनर आपको आपके दोस्तों या परिवार से अलग करने की कोशिश करता है, तो यह भी एक बड़ा रेड फ्लैग है। एक सच्चा और हेल्दी पार्टनर आपके करीबी रिश्तों की इज्जत करता है और उन्हें खत्म नहीं करता।

माफी मांगकर वही गलती दोहराना

माफी मांगना अच्छी बात होती है, लेकिन अगर आपका पार्टनर बार–बार वही गलती करता है, तो समझ लीजिए कि यह बदलाव नहीं बल्कि सिर्फ ड्रामा है।

आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाना

अगर आपका पार्टनर आपकी बातों का मजाक उड़ाता है, अपमान करता है या आपको नीचा दिखाने की कोशिश करता है, तो यह इमोशनल एब्यूज है। ऐसे रिश्ते से जितनी जल्दी निकलें, उतना बेहतर। रिश्ता तभी खूबसूरत होता है जब उसमें भरोसा, सम्मान और समानता हो। अगर इनमें से कोई भी कमी नजर आए, तो इसे नजरअंदाज न करें। रेड फ्लैग्स को पहचानना और समय रहते कदम उठाना आपको मानसिक और भावनात्मक परेशानियों से बचा सकता है। याद रखें, प्यार तभी हेल्दी है जब आप खुद को बेहतर और सुरक्षित महसूस करें।



## महंगे ऊनी कपड़ों की चमक खराब कर रहे हैं रोएं ? इन 5 टिप्स से करें नए जैसे!

धीरे–धीरे सर्दियों का सीजन नजदीक आ रहा है। ऐसे में लोग अपने वार्डरॉब से ऊनी कपड़े निकाल रहे हैं। अगर आपके अलमारी में सालों महंगे–महंगे ऊनी कपड़े रखें हैं और इनमें रोएं आ गए जिस वजह पहन नहीं पा रहे वूलन क्लॉथ, तो आप इन टिप्स को जरुर फॉलो करें। सर्दियों का मौसम आते ही ऊनी कपड़े बाहर निकलने लगते हैं। गुलाबी ठंड के दौरान लोग अपने शरीर को गर्माहट बनाए रखने के लिए ब्रांडेड महंगे वूलन क्लॉथ जरुर खरीदते हैं। लेकिन इन ऊनी कपड़ों पर लिंट यानी रोएं आ जाने से सारा मूड खराब हो जाता है। वूलन क्लॉथ पर रोएं दिखने बेहद खराब लगता है। यह न केवल कपड़े की चमक खराब कर देता है बल्कि आपका फैशन लुक भी खराब कर देता है। अब आपको टेंशन लेने की जरुरत नहीं है, बस इन टिप्स के जरिए आप अपने रोएं वाले ऊनी कपड़ों को दोबारा नए कपड़ों की तरह पहन सकते हैं।

लिंट रोलर का प्रयोग करें

बाजार या फिर ऑनलाइन आप चिपचिपा लिंट रोलर खरीद सकते हैं। इसे आप कपड़े पर हल्के हाथों से घुमाएं। ऊनी कपड़ों से सारे रोएं चिपककर अलग हो जाएंगे।

डक्ट टेप

ऊनी कपड़ों से रोएं हटाने के लिए आप डक्ट टेप का प्रयोग कर सकते हैं। सबसे पहले आप चौड़े डक्ट टेप को चिपकने वाली साइड बाहर रखकर हाथ पर लपेटें। कपड़े पर दबाकर उठाएं। लिंट चिपककर खुद ही कपड़े से अलग हो जाएंगे। यह कपड़े से रोएं हटाने का सबसे सस्ता और तुरंत काम करने वाला एक अद्भुत तरीका है।

एक साइड वाली वेल्क्रो स्ट्रिप

कपड़ों से रोएं हटाने के लिए आप वेल्क्रो का रफ साइड कपड़े पर रगड़े। रोएं उसमें फंस जाएंगे। इसके बाद इसे आप ब्रश की मदद से साफ कर लें।

रेजर या लिंट शेवर

आप ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन इलेक्ट्रिक लिंट शेवर खरीद सकते हैं, यह कपड़ों से रोएं सबसे तेज करता है। इसकी मदद से आप स्वेटर कोट, कंबल पर हल्के हाथ से फेरें। अगर कपड़ा पतला हैं तो इसका इस्तेमाल धीरे से करें। इसके अलावा, आप घर पर पड़े किसी पुराने रेजर ब्लेड का इस्तेमाल कर सकते हैं। लिंट हाटने के लिए आपको कपड़े को एक फ्लैट जगह पर अच्छे से बिछा लेना है और एक हल्के हाथों से रेजर को उन जगहों पर चलाना है जहां पर रोएं निकलें है।

प्यूमिक स्टोन

बॉडी को क्लीन करने वाला प्यूमिक स्टोन से आप वूलेन कपड़ों के रोएं हटा सकती हैं। आप प्यूमिस स्टोन से वूलेन कपड़ों को हल्के–हल्के रगड़ना हैं, जब सारे रोएं ऊपर आ जाए तो इन्हें हाथों से हटा दें।

पुराने टूथब्रश का यूज

बूलने कपड़े से लिंट्स हटाने के लिए आप पुरान टूथब्रश का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको वूलेन कपड़ों को हल्का सा भिगोना है। फिर कपड़ों के ऊपर टूथब्रश को रगड़े। जितने भी रोएं और धूल है वो आसानी से निकाल जाएगी।

## किचन के इन 3 मसालों से पाएं मुंह की बदबू से छुटकारा, बनाएं नेचुरल माउथवॉश!



हर भारतीय के किचन में पाए जाने वाले ये मसाले केवल खाना का स्वाद ही नहीं, मुंह की दुर्गंध और बैक्टीरिया को दूर भागा देते हैं। आपकी रसोई में रखें इन 3 मसालों से तैयार करें नैचुरल माउथवॉश। मुंह की दुर्गंध, मसूड़ों की सूजन और बैक्टीरिया संक्रमण की समस्या से परेशान हो गए हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे तो बाजार में कई सारे माउथवॉश मिलते हैं लेकिन इनमें केमिकल और अल्कोहल की मात्रा होती है। यह अस्थायी ताजदी तो पहुंचता हैं लेकिन लंबे समय तक दातों और मसूड़ों को नुकसान भी पहुंचता है। इसी कारण आप अपने घर पर ही इन 3 मसालों से नैचुरल माउथवॉश बना सकते हैं। लौंग, चक्र फूल और दालचीनी से बना यह घरेलू माउथवॉश आपके लिए बेहद ही फायदेमंद होगा। यह माउथवॉश आपके मुंह के बैक्टीरिया को खत्म करता है। आइए आपको बताते है इसे कैसे बनाएं।

माउथवॉश बनाने की विधि

सामग्री

– 4–5 लौंग
– 2 चक्र फूल
– 1 दालचीनी का टुकड़ा
– 1 कप पानी

इसे बनाने का तरीका

– सबसे पहले आप एक पैन में पानी डालें। फिर इसमें लौंग, दालचीनी और चक्र फूल को डालें।

– फिर आप इसे 7–8 मिनट तक उबालें। इसे तब तक उबालें जब तक इसका रंग हल्का भूरा न लग जाएं।

– जब यह पानी ठंडा हो जाए, तो इसे कांच की बोतल में भरकर रख दें।

– इसे घरेलू माउथवॉश से आप दिन में 1 या 2 बार कुल्ला जरुर करें।

घरेलू माउथवॉश इस्तेमाल करने के फायदे

– मुंह की दुर्गंध दूर करता है और सांसों को लंबे समय तक तरोताजा रखता है।

– इसमें एंटीबैक्टीरियल के गुण होते हैं, जो कि मुंह में बैक्टीरिया को खत्म करते हैं।

– मसूड़ों की सूजन को कम करता है और ओरल हेल्थ को बेहतर बनाता है।

– यह एक प्रकार से 100: प्राकृतिक और केमिकल–फ्री जो दांतों के एनामेल को नुकसान नहीं पहुंचाता है।

– इसे आप रोजाना इस्तेमाल कर सकते हैं और यह सस्ता व आसान घरेलू उपाय है।

## संक्षिप्त



### उत्तराखंड में सभी हेलिकॉप्टर ऑपरेटरों की सुरक्षा जांच कराए मिनिस्ट्री:एफआईपी

मुंबई। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने सोमवार को उत्तराखंड में सभी वाणिज्यिक हेलिकॉप्टर संचालकों की तत्काल सुरक्षा समीक्षा कराने की नागर विमानन मंत्रालय से मांग की। पिछले सप्ताह उत्तराखंड में हुई एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई थी। उसके बाद से ही हेलिकॉप्टर सेवाओं से जुड़े सुरक्षा के सवाल उठने लगे हैं। पायलट निकाय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र में नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू से मुलाकात का समय भी मांगा है, ताकि देश में हेलिकॉप्टर सुरक्षा मजबूत करने के लिए अपनी सिफारिशें उनके सामने रख सके। यह मांग ऐसे समय आई है जब हेलिकॉप्टर सेवा संचालकों ने हर उड़ान में दो पायलट अनिवार्य करने के उत्तराखंड नागर विमानन विकास प्राधिकरण (यूसीएडीए) के नियम के विरोध में चारधाम चार्टर सेवा बंद कर दी है। इस मुद्दे पर गतिरोध दूर करने के लिए प्राधिकरण ने चार नवंबर को एक और बैठक बुलाई है। एफआईपी ने तीर्थयात्रा सेवाओं में लगे परिचालकों के विमानों की उड़ान–योग्यता, परिचालन और नियमों के अनुपालन की समीक्षा के साथ ही पायलटों के अनुभव, पहाड़ी क्षेत्रों में उड़ान भरने की दक्षता, मौसम संबंधी मानकों और उड़ान मार्गों का फिर से आकलन करने की सिफारिश की है। संगठन ने हेलीपैड, यात्रियों की आवाजाही की व्यवस्था और दूरदराज के इलाकों में खोज एवं बचाव सुविधाओं की भी समीक्षा करने को कहा है। एफआईपी ने कहा कि हिमालयी राज्यों में दूरदराज के स्थानों तक पहुंचने और आपात स्थिति में मदद पहुंचाने के लिए हेलिकॉप्टर सेवाएं जरूरी हैं। इसलिए इन सेवाओं को हतोत्साहित करने के बजाय सुरक्षा के उच्चतम मानकों के अनुरूप संचालित करना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। संगठन ने कहा कि हेलिकॉप्टर सुरक्षा केवल नए नियम बनाने या दुर्घटनाओं के बाद प्रतिबंध लगाने से सुनिश्चित नहीं होगी। इसके लिए सक्षम पायलट, जिम्मेदार ऑपरेटर, प्रभावी नियामकीय निगरानी और उपयुक्त बुनियादी ढांचे की जरूरत है। एफआईपी ने कहा कि वह राष्ट्रीय हेलिकॉप्टर सुरक्षा ढांचा तैयार करने में अपने अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता का योगदान देने को तैयार है।

### मिट्टी में नमी घटने से रबी फसलों की बुवाई 46 फीसदी फिसली, गेहूं का रकबा घटा

नयी दिल्ली। गेहूं सहित रबी फसलों की बुवाई पिछले साल की रफ्तार से काफी पीछे चल रही है। 30 अक्टूबर तक कुल 37.56 लाख हेक्टेयर में रबी फसलों की बुवाई हुई है, जो एक साल पहले की समान अवधि के 69.02 लाख हेक्टेयर के मुकाबले 46 प्रतिशत कम है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। रबी की प्रमुख फसल गेहूं की बुवाई अब तक केवल 19,000 हेक्टेयर में हुई है जबकि पिछले साल इसी अवधि तक 3.34 लाख हेक्टेयर में बुवाई की गई थी। इसकी वजह मिट्टी में पर्याप्त नमी का नहीं होना बताया गया है। गेहूं की बुवाई आमतौर पर अक्टूबर–नवंबर में होती है और इसकी कटाई मार्च–अप्रैल में की जाती है। फसल वर्ष 2025–26 (जुलाई–जून) में गेहूं की बुवाई 336 लाख हेक्टेयर में हुई थी। साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, दलहन फसलों का रकबा 19.56 लाख हेक्टेयर से घटकर 9.45 लाख हेक्टेयर रह गया। चने का रकबा 14.35 लाख हेक्टेयर से घटकर 5.90 लाख हेक्टेयर रह गया। तिलहन फसलों की बुवाई एक साल पहले के 38.62 लाख हेक्टेयर के मुकाबले 20.97 लाख हेक्टेयर में हुई। इसमें सरसों और राई का रकबा 38.07 लाख हेक्टेयर से घटकर 20.50 लाख हेक्टेयर रह गया। मोटे अनाज की बुवाई 3.78 लाख हेक्टेयर में हुई, जो पिछले साल के 4.22 लाख हेक्टेयर से मामूली कम है। वहीं, सर्दियों में बोए जाने वाले धान का रकबा 3.29 लाख हेक्टेयर के मुकाबले 3.16 लाख हेक्टेयर रहा। विशेषज्ञों ने बताया कि बुवाई में देरी की मुख्य वजह जून–सितंबर के दौरान मानसून में 13 प्रतिशत की कमी रही, जिससे बुवाई शुरू होने से पहले मिट्टी में बची हुई नमी घट गई। सिंचाई के लिए पानी की कम उपलब्धता भी एक अन्य कारण है। गेहूं उत्पादक प्रमुख राज्यों में जलाशयों और नहरों में पानी का स्तर सामान्य से कम है। गेहूं की बुवाई के बाद कई बार सिंचाई की जरूरत होती है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि खरीफ फसलों की कटाई के तुरंत बाद उपलब्ध बची हुई नमी का अधिकतम उपयोग करते हुए रबी फसलों की बुवाई में तेजी लाई जाए।

### भारत में कभी नहीं होगा जीएम उत्पादों का आयात, पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया रुख

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत ने कभी भी आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) उत्पादों के आयात की अनुमति नहीं दी है और भविष्य में भी ऐसा नहीं करेगा, क्योंकि यह ''बहुत संवेदनशील'' मुद्दा है। राष्ट्रीय राजधानी में किरोड़ीमल कॉलेज के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए गोयल ने यह भी कहा कि देश में डेयरी क्षेत्र ''बहुत संवेदनशील'' है और भारत ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते में इस क्षेत्र को लेकर कभी शुल्क रियायत नहीं दी है। उन्होंने व्यापार समझौतों से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा, ''हम कुछ कृषि उत्पादों और कुछ ऐसी वस्तुओं के मामले में बाजार खोलने को लेकर बहुत संवेदनशील हैं, जिनमें हमारी स्थिति मजबूत है, जैसे समुद्री उत्पाद। हम अपना डेयरी क्षेत्र खोलने को लेकर भी बहुत संवेदनशील हैं। वास्तव में, हमने आज तक किसी के लिए भी डेयरी क्षेत्र नहीं खोला है।'' उन्होंने कहा, ''हम भारत में किसी भी जीएम उत्पाद को आने देने के मामले में बहुत संवेदनशील हैं। हमने कभी इसकी अनुमति नहीं दी है और भविष्य में भी कभी ऐसा नहीं करेंगे। हम अपनी धार्मिक संवेदनशीलताओं का भी ध्यान रखते हैं। इसलिए, कई बार विदेशों में जिन डेयरी उत्पाद बनाने के लिए बछड़े के मांस या 'रेनेट' का इस्तेमाल किया जाता है... हम भारत में इसकी अनुमति नहीं देते। इसके लिए सख्त प्रमाणन जरूरी है, ताकि भारत के बड़े हिस्से की धार्मिक भावनाएं आहत न हों।''

# हार्दिक पंड्या की वापसी से सुलझेगी No 7 और 8 की गुत्थी, शुभमन गिल का बयान



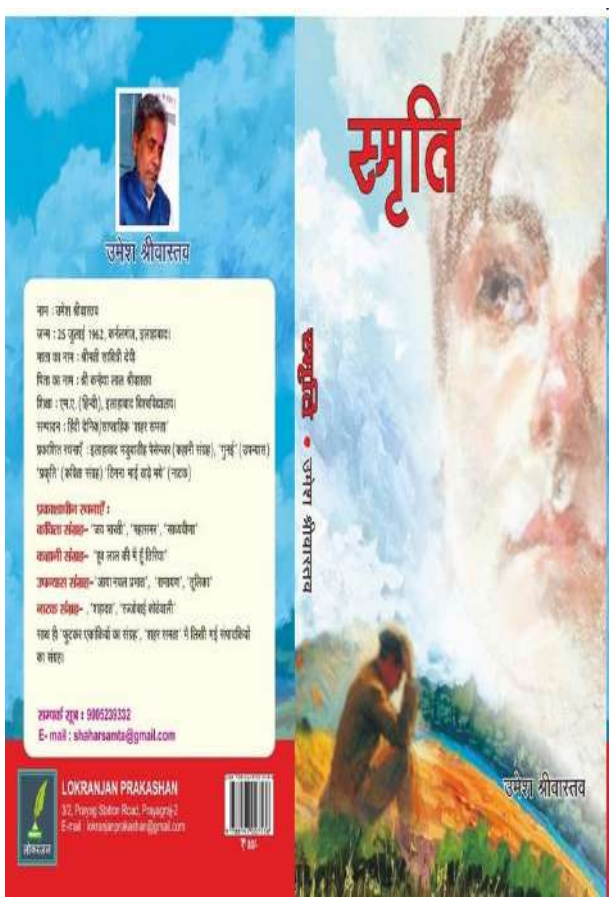
कप्तान शुभमन गिल के अनुसार हार्दिक पंड्या की वापसी से भारतीय वनडे टीम का संतुलन मजबूत होगा और सातवें तथा आठवें नंबर की समस्या सुलझेगी। चोटिल पंड्या के जल्द घरेलू क्रिकेट खेलकर राष्ट्रीय टीम में लौटने की उम्मीद है। गिल ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत से विश्व कप से पहले खिलाड़ियों का आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा।

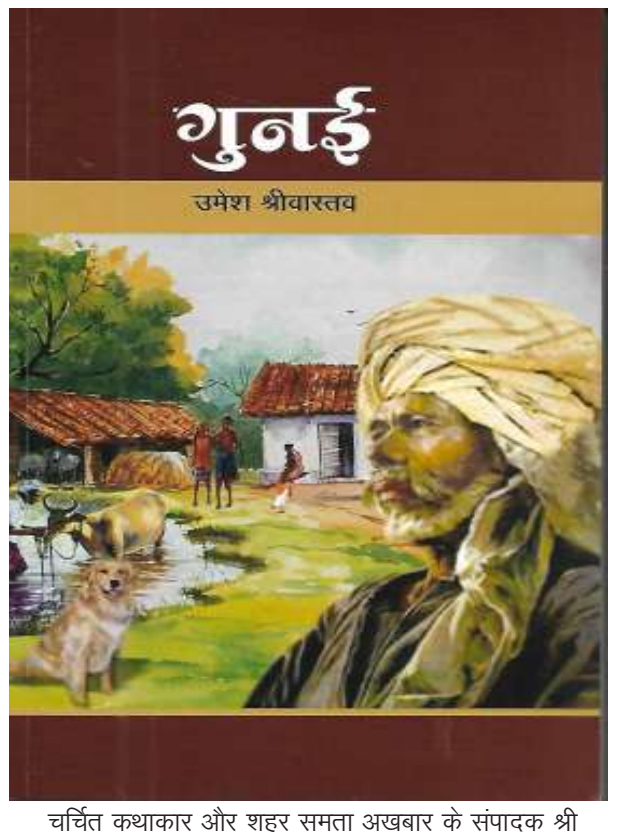
हार्दिक पंड्या के चोट के कारण लंबे समय तक टीम से बाहर रहने से भारत की वनडे टीम का संतुलन बिगड़ गया है और कप्तान शुभमन गिल का मानना घ्है कि इस ऑलराउंडर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने पर टीम के सातवें और आठवें नंबर के बल्लेबाज की गुत्थी सुलझ जाएगी। गिल ने कहा कि पंड्या बेजोड़ कौशल के धनी हैं और वह खेल के किसी भी चरण में अपना प्रभाव छोड़ सकते हैं। गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे की पूर्व संध्या पर मंगलवार को यहां पत्रकारों से कहा, ''अगर हार्दिक पंड्या टीम में वापसी करते हैं, तो हमारे नंबर सात और नंबर आठ बल्लेबाज के स्थान भी तय हो जाएंगे। इससे बल्लेबाजी के लिहाज से हमारी टीम कहीं अधिक संतुलित नजर आएगी।'' हार्दिक आमतौर पर छठे या सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं। वह आईपीएल के बाद चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। जब वह भारतीय टीम में वापसी के करीब थे तभी उनकी पिंडली में खिंचाव आ गया था। गिल ने कहा, ''वह (पंड्या) शानदार खिलाड़ी हैं। उनके जैसा कौशल बहुत कम खिलाड़ियों में देखने को मिलता है। एक ऐसा ऑलराउंडर टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है जो खेल के प्रत्येक चरण में गेंदबाजी कर सकता है और बल्लेबाजी में भी उपयोगी योगदान दे सकता है।'' उन्होंने कहा, ''यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह आईपीएल के बाद से खेल नहीं पाए हैं।'' गिल ने कहा कि वह इस 32 वर्षीय खिलाड़ी के संपर्क में हैं और उम्मीद है कि वह भारतीय टीम में वापसी से पहले कुछ घरेलू मैच खेलेंगे। उन्होंने कहा, ''हमारी कई बार बातचीत हुई है। उन्हें भारत ए की तरफ से कुछ मैच खेलने थे लेकिन उससे ठीक पहले वह चोटिल हो गए। उम्मीद है कि वह जल्द ही फिट होकर घरेलू क्रिकेट में कुछ मैच खेलेंगे और फिर टीम में वापसी करेंगे।'' गिल का मानना घ्है कि भारत अगर न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ वनडे श्रृंखला जीतता है तो इससे अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि कोई भी भारतीय टीम किसी भी अन्य टीम को हराने में सक्षम है। अगर युवा खिलाड़ी यहां अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उन्हें काफी आत्मविश्वास हासिल होगा।'' गिल ने कहा, ''इससे हमें यह आत्मविश्वास भी मिलेगा कि अगर किसी कारण से हम विश्व कप में अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम नहीं उतर पाते हैं तो भी हमारी टीम किसी भी परिस्थिति में अन्य टीम को हराने में सक्षम है।'' उन्होंने कहा कि पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजी के स्थान हमेशा थोड़ा लचीले होने चाहिए और टीम की जरूरत के अनुसार बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया जा सकता है। गिल ने कहा, 'पांचवें और छठे नंबर पर किस बल्लेबाज को उतारा जाए इसको लेकर हम लचीला रवैया अपनाते हैं। अगर आप हमारे शीर्ष चार बल्लेबाजों को देखें तो वे लगभग तय हैं। हम सभी दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। अगर हमें लगता है कि हमें पांचवें नंबर पर बाएं हाथ के बल्लेबाज की जरूरत है, तो हम अक्षर पटेल को बल्लेबाजी के लिए भेजते हैं।'' उन्होंने कहा, ''अगर हमें लगता है कि मंच तैयार हो चुका है और केएल राहुल को तेजी से बल्लेबाजी करने की जरूरत है तो हम उसी के अनुसार फैसला करते हैं।'' ईडन पार्क एक ऐसा मैदान है जहां बाउंड्री काफी छोटी है। इससे यहां पहली बार खेलने वाले बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को हैरानी हो सकती है। गिल ने कहा, ''यह मेरे लिए निश्चित रूप से लुभावना है, क्योंकि सीधी बाउंड्री केवल 50–55 मीटर की है। यह बात हमारे दिमाग में जरूर रहेगी। हम जिन परिस्थितियों में खेल रहे हैं वह अन्य देशों की तुलना में दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों से कहीं अधिक मिलती–जुलती हैं।''

# यशस्वी जायसवाल ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ जड़ा शतक, नाबाद 155 रन बनाकर फॉर्म में लौटे

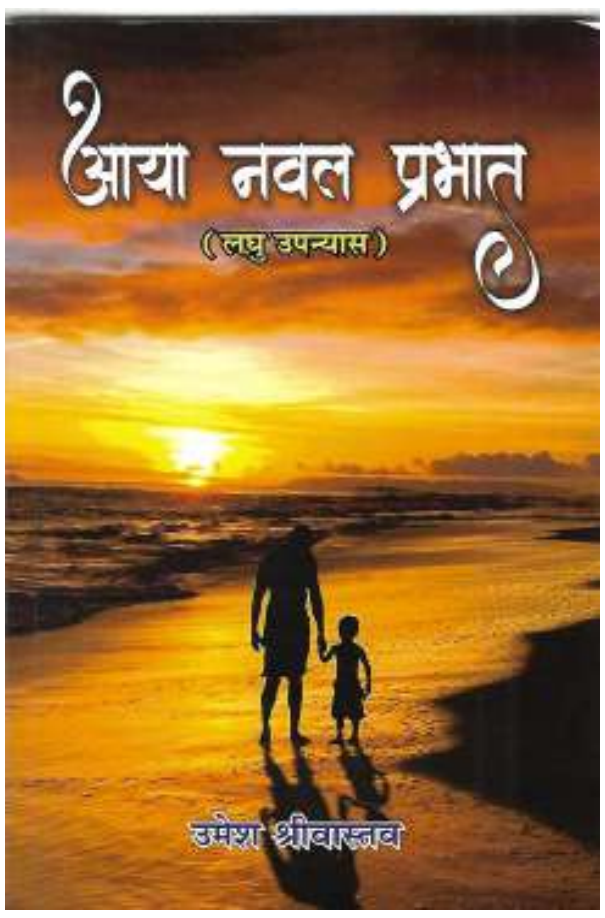


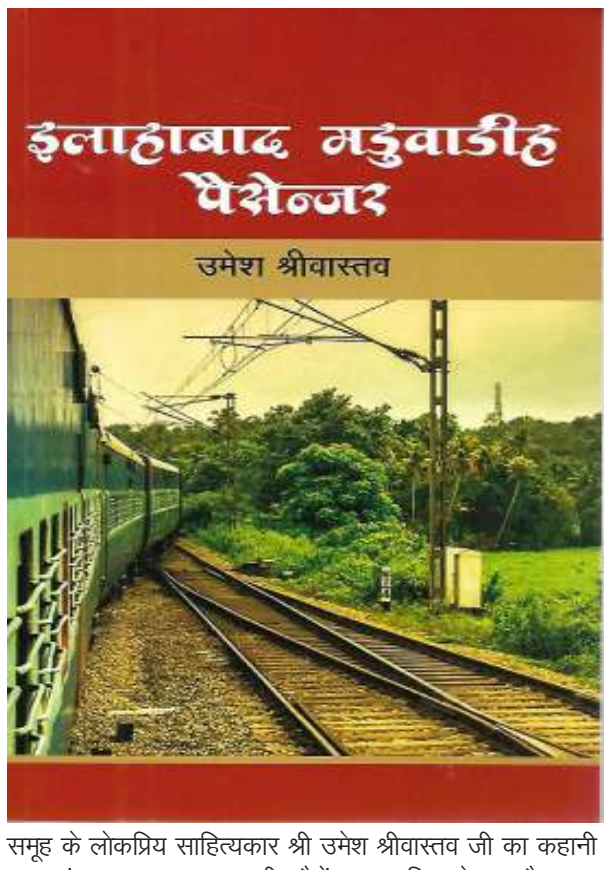
भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ शतक बनाकर फॉर्म में वापसी करने के बाद कहा कि उन्होंने इस दौरान अपनी 'प्रक्रिया, दिनचर्या और अनुशासन' पर ध्यान केंद्रित किया। जायसवाल ने मंगलवार को ड्रॉ समाप्त हुई दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच की दूसरी पारी में नाबाद 155 रन बनाए। उन्होंने कहा कि यहां की ठंड ने उनके लिए अलग तरह की चुनौती पेश की। जायसवाल ने कहा, ''यहां बहुत ठंड है। गेंद शुरुआत में बहुत घूमती है और सीम मूवमेंट भी बहुत होता है। अच्छे गेंदबाज लगातार सही जगह पर गेंद को पिच कराते हैं। इसलिए हमें रन बनाने के लिए काफी इंतजार करना पड़ता है।'' उन्होंने कहा, ''जब विकेट बेहतर हो जाता है या गेंद पुरानी हो जाती है तो रन बनाना आसान हो जाता है। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह आसान है, लेकिन आप अच्छे शॉट खेल सकते हैं। इसलिए बहुत मज़ा आया और यहां खेलना अच्छा लगता है। यह एक बिल्कुल अलग तरह का अनुभव है।'' भारत और न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले जायसवाल का फॉर्म में लौटना काफी महत्वपूर्ण है। जायसवाल ने कहा, ''यहां रन बनाना आसान नहीं है। मैंने बस प्रक्रिया, दिनचर्या और अनुशासन पर ध्यान केंद्रित किया। मुझे लगता है कि यहां रन बनाने के लिए आपको बहुत अनुशासित रहना होगा।'' जायसवाल ने कहा कि न्यूजीलैंड में मुख्य चुनौती यहां का ठंडा मौसम है। उन्होंने कहा, ''भारत, ऑस्ट्रेलिया और यहां तक कि इंग्लैंड की तुलना में न्यूजीलैंड बहुत अलग जगह है। यहां बहुत ठंड पड़ती है। पिछले चार दिनों से सूरज आंख मिचौली खेल रहा था।'' जायसवाल से जब पूछा गया कि वे परिस्थितियों के अनुकूल ढलने के लिए अपनी तकनीक में कैसे बदलाव करते हैं, तो उन्होंने कहा कि उन्हें अपने शरीर के करीब रहकर खेलना पसंद है। उन्होंने कहा, ''मैं इसपर ध्यान देता हूं कि मैं शरीर के जितना करीब खेलूंगा, उतना ही बेहतर होगा। अगर आप पहली पारी देखें, तो मेरा शुरुआती स्टांस पीछे की ओर था। फिर मैंने इसे बदला। अगर गेंदबाज तेज गेंदबाजी नहीं कर रहा है, तो आप सीम मूवमेंट को नियंत्रित कर सकते हैं।



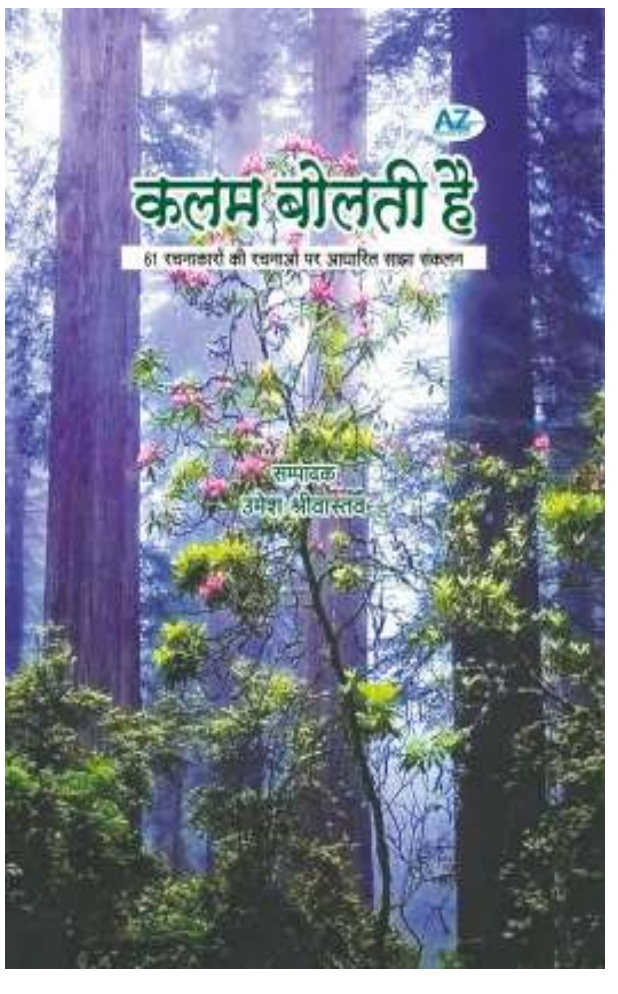



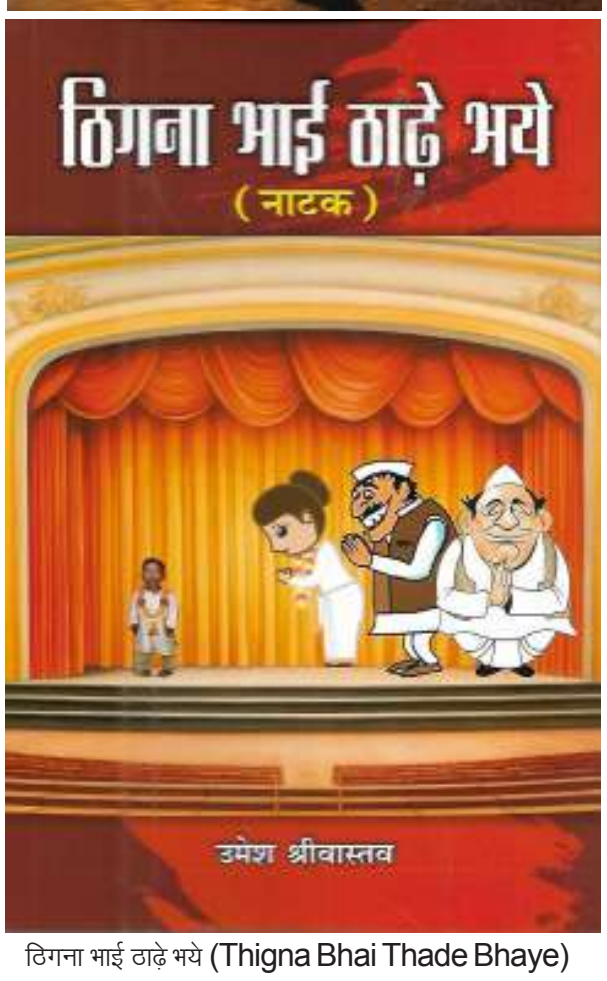

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित




समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।




ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### अदियाला में इमरान खान और बुशरा बीबी से मिले वकील सलमान सफदर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के वकील ने कई महीनों के बाद रावलपिंडी की अदियाला जेल में उनसे (इमरान खान) और उनकी पत्नी बुशरा बीबी से मुलाकात की तथा उनके मामलों से जुड़े कानूनी मुद्दों पर चर्चा की। खान (74) अगस्त 2023 से कई मामलों में जेल में बंद हैं जबकि उनकी पत्नी बुशरा को 17 जनवरी 2025 को एक अलग मामले में गिरफ्तार किया गया था जिसमें दंपति को सजा सुनायी गई है। पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के वकील सलमान सफदर ने सोमवार को कहा कि उन्होंने अदियाला जेल में खान और बुशरा बीबी से मुलाकात की। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने खान को परिवार के सदस्यों, वकीलों और अन्य सहयोगियों से सप्ताह में दो बार, मंगलवार और बृहस्पतिवार को मुलाकात करने की अनुमति दी है। हालांकि, अदालत के कई निर्देशों के बावजूद हाल के महीनों में खान की अपने परिवार और पार्टी नेताओं से मुलाकात काफी हद तक सीमित रही है। सफदर ने एक्स पर बताया कि उन्होंने इमरान खान से सात महीने और बुशरा बीबी से 11 महीने बाद मुलाकात की। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात 40 मिनट तक चली, जो सभी मामलों और कानूनी मुद्दों पर चर्चा के लिए पर्याप्त नहीं थी। सफदर ने कहा कि दोनों ने उन्हें अपनी स्वास्थ्य स्थिति और जेल में रहने की परिस्थितियों के बारे में जानकारी दी तथा कुछ कानूनी मामलों और मुकदमों के संबंध में नए निर्देश दिए। डॉन अखबार के अनुसार, पीटीआई के केंद्रीय सूचना सचिव शेख वकास अकरम ने कहा कि यह मुलाकात इमरान खान से मिलने की व्यवस्था के लिए अदालतों में दायर की गई कई याचिकाओं के सिलसिले में हुई।

### श्रीलंका में वीजा खत्म होने के बाद रहने पर 21 विदेशी अरेस्ट, 3 भारतीय भी शामिल

कोलंबो। श्रीलंका में वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी रहने के मामले में 21 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें तीन भारतीय भी शामिल हैं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि केंद्रीय अपराध ब्यूरो ने सोमवार रात कोलंबो के मध्य में स्थित मरदाना इलाके में छापेमारी कर इन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में चीन के 12 नागरिक शामिल हैं, जिनमें दो महिलाएं हैं। इनके अलावा छह बांग्लादेशी और तीन भारतीय नागरिक भी गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों को मंगलवार को अदालत में पेश किया जाएगा। गिरफ्तार किए गए लोगों के बारे में पुलिस ने कोई अन्य जानकारी नहीं दी। श्रीलंका के अधिकारियों ने हाल के महीनों में कई विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें मुख्य रूप से चीनी नागरिक शामिल हैं, जिन पर पर्यटक वीजा पर देश में रहकर साइबर धोखाधड़ी में शामिल होने का आरोप है।

### UNGA में पारंपरिक हथियारों पर नियंत्रण संबंधी प्रस्ताव के विरोध में भारत और इजराइल ने दिया वोट

संयुक्त राष्ट्र। भारत और इजराइल ने क्षेत्रीय एवं उपक्षेत्रीय स्तर पर पारंपरिक हथियारों पर नियंत्रण से संबंधित पाकिस्तान और बेलारूस के मसौदा प्रस्ताव के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र महासभा में मतदान किया। भारत ने कहा कि देशों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं केवल क्षेत्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं होती हैं। सामान्य और पूर्ण निरस्त्रीकरण : क्षेत्रीय एवं उपक्षेत्रीय स्तर पर पारंपरिक हथियारों पर नियंत्रण शीर्षक वाले इस मसौदा प्रस्ताव को सोमवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की प्रथम समिति ने मंजूरी दी। प्रस्ताव के पक्ष में 180 वोट पड़े, जबकि दो देशों ने इसके खिलाफ मतदान किया। किसी भी देश ने मतदान में हिस्सा नहीं लेने का विकल्प नहीं चुना। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र में भारत और इजराइल ही ऐसे देश थे, जिन्होंने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। भारत के वोट की वजह बताते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव अनमोल शेर बेदी ने कहा कि पारंपरिक हथियारों पर नियंत्रण एक वैश्विक मुद्दा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की प्रथम समिति में भारत के मतदान के स्पष्टीकरण के दौरान बेदी ने कहा, हम इस बात से पूरी तरह सहमत नहीं हैं कि इस मुद्दे पर मुख्य रूप से क्षेत्रीय और उपक्षेत्रीय संदर्भों में ही आगे बढ़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी पिछली स्थिति के अनुरूप इस प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया है। भारत ने प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण आयोग से ऐसे सिद्धांत तैयार करने पर विचार करने के अनुरोध पर भी सवाल उठाया, जो पारंपरिक हथियारों पर क्षेत्रीय समझौतों के लिए रूपरेखा का काम कर सकें। बेदी ने कहा, हमने इस अनुरोध को कुछ जिज्ञासा के साथ देखा है। उन्होंने कहा कि आयोग 1993 में क्षेत्रीय निरस्त्रीकरण पर दिशानिर्देश और सिफारिशें, 1999 में पारंपरिक हथियार नियंत्रण एवं निरस्त्रीकरण पर दिशानिर्देश और 2017 में पारंपरिक हथियारों के क्षेत्र में व्यावहारिक विश्वास बहाली उपायों पर सिफारिशें सर्वसम्मति से पहले ही स्वीकार कर चुका है। बेदी ने कहा, इसका मतलब है कि इसी विषय पर इसी आयोग में सर्वसम्मति से तीन नतीजे पहले ही सामने आ चुके हैं, जबकि अब उसी आयोग से नए सिरे से शुरुआत करने को कहा जा रहा है। उन्होंने कहा, हम यह समझने में असमर्थ हैं कि जिस विषय पर पहले ही व्यापक विचार–विमर्श हो चुका है, उस पर फिर से चर्चा की जरूरत क्यों है, जब तक कि इसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र की निरस्त्रीकरण व्यवस्था को व्यस्त रखना नहीं है।

# नेपाल के सोलुखुम्बु में लैंडिंग के दौरान दो हेलीकॉप्टर आपस में टकराए, एक विदेशी पर्यटक की मौत और एक अन्य घायल



नेपाल के सुप्रसिद्ध पर्यटन और पर्वतारोहण क्षेत्र सोलुखुम्बु में एक बड़ा विमान हादसा पेश आया है। मंगलवार सुबह सोलुखुम्बु जिले में लैंडिंग के वक्त दो अलग–अलग कंपनियों के हेलीकॉप्टर आपस में हवा में टकरा गए। इस भीषण दुर्घटना में एक विदेशी नागरिक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। यह दर्दनाक हादसा मंगलवार सुबह करीब 8:11 बजे खुम्बु पासांग ल्हामु ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड संख्या–4 स्थित फेरिचे (चैमतपबीम) हेलीपैड पर हुआ। जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, एयर डायनेस्टी और फिशटेल एयर द्वारा संचालित ये हेलीकॉप्टर सुबह करीब 8:11 बजे आपस में टकरा गए। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (Civil Aviation Authority of Nepal) के अनुसार, फेरिचे हेलीपैड पर लैंडिंग करते समय फिशटेल एयर और डायनेस्टी एयर के हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए। प्राधिकरण के सूचना अधिकारी ज्ञानेंद्र भुल ने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार, फेरिचे हेलीपैड पर लैंडिंग करते समय दोनों हेलीकॉप्टरों के रोटर आपस में टकरा गए थे। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। सोलुखुम्बु जिला पुलिस कार्यालय के डीएसपी नबिनराज बुढाथोकी के अनुसार, यह दुर्घटना तब हुई जब खुम्बु पासांग ल्हामु के फेरिचे हेलीपैड पर लैंडिंग करते समय दोनों हेलीकॉप्टरों के रोटर एक–दूसरे से टकरा गए। मृतक किस देश का नागरिक था, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति को इलाज के लिए माउंटेन हेलीकॉप्टर के जरिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस इंस्पेक्टर मौसम तमांग ने बताया कि मृतक एक विदेशी नागरिक था। शव को प्रभु एयर के हेलीकॉप्टर से लुकला लाया गया।

**ट्रम्प के फ्लोरिडा आवास के पास बिजनेस जेट क्रैश**

इससे पहले सोमवार को, दक्षिण फ्लोरिडा के एक रिहायशी इलाके में एक बिजनेस जेट क्रैश हो गया, जिसमें सवार सभी नौ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि यह जेट दोपहर करीब 12:50 बजे पाम बीच काउंटी के क्रेस्टहेवन इलाके में गिरा और एक बड़े आग के गोले में तब्दील हो गया। यह दुर्घटना पाम बीच में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के रिसॉर्ट, 'मार–ए–लागो' से लगभग नौ मील (14 किमी) दूर हुई। रविवार (स्थानीय समय) को नौ लोगों को ले जा रहा एक लियरजेट 60 दक्षिण फ्लोरिडा के एक रिहायशी इलाके में सीधे नीचे आ गिरा और एक बड़े आग के गोले में बदल गया। विमान पास के घरों से टकराने से बाल–बाल बच गया और एक व्यस्त सड़क के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे सड़क पर एक बड़ा और जलता हुआ गड्ढा बन गया। विमान 35,000 फीट (लगभग 11 किलोमीटर) की ऊंचाई पर पूर्व की ओर जा रहा था, तभी पायलटों ने हवा में हलचल (टर्बुलेंस), बर्फ जमने और बारिश/बर्फबारी की सूचना दी। उन्होंने विमान को 2,000 फीट (लगभग 610 मीटर) और ऊपर ले जाने की अनुमति मांगी। यह विमान मिलिट्री ट्रेल और 10वें एवेन्यू नॉर्थ के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। पाम बीच काउंटी शेरिफ कार्यालय ने सड़क को दोनों तरफ से बंद कर दिया और वाहन चालकों से इस इलाके से दूर रहने को कहा। दमकलकर्मी और अन्य आपातकालीन बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंच गए। पास में काम करने वाली एक महिला ने बताया कि दुर्घटना के बाद इलाके में करीब दो घंटे तक बिजली नहीं थी।

# 40 अरब अमेरिकी डॉलर स्वाहा! मोदी की पाक पर आर्थिक स्ट्राइक से हाहाकार



भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते बंद होने से पाकिस्तान को करीब 40 अरब अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है। यह दावा पाक भारत बिजनेस काउंसिल के चेयरमैन नूर मोहम्मद कसूरी ने किया है। उन्होंने दोनों देशों से व्यापारिक संबंध फिर से शुरू करने की अपील करते हुए कहा कि इससे पाकिस्तान के उद्योगों को राहत मिलेगी और दोनों देशों के कारोबार को फायदा होगा। कसूरी के मुताबिक 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा और द्विपक्षीय व्यापार पर रोक लग गई। इसके बाद पाकिस्तानी कारोबारियों को भारत से मिलने वाले कच्चे माल और अन्य जरूरी सामान के लिए ब्राजील, चीन, मिस्र और अमेरिका जैसे दूर के बाजारों पर निर्भर होना पड़ा। इससे परिवहन और माल ढुलाई का खर्च बढ़ा और सामान की आपूर्ति में भी ज्यादा समय लगने लगा। कसूरी ने पाकिस्तान के फार्मास्यूटिकल उद्योग का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां दवा निर्माण के लिए जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति में भारत की अहम भूमिका थी। अगर भारत से आयात दोबारा शुरू होता है तो पाकिस्तान हर साल करीब 2 से +3 अरब डॉलर बचा सकता है। उन्होंने पाकिस्तान के टेक्सटाइल उद्योग की मुश्किलों का भी जिक्र किया। कसूरी के अनुसार घरेलू स्तर पर कपास का उत्पादन घटने के कारण पाकिस्तानी कपड़ा मिलों को ब्राजील,मिस्र, चीन और अमेरिका से कपास मंगानी पड़ रही है। इससे करीब +5 अरब डॉलर का अतिरिक्त खर्च हुआ है। कसूरी ने कहा कि पाकिस्तान भारत में उत्पादन क्षमता होने के बावजूद कई जरूरी सामान दूर के देशों से आयात कर रहा है। इनमें चीनी, खाद्य, सीमेंट, पेट्रोलियम उत्पाद, लोहा स्टील, सब्जियां और भारी मशीनरी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत की रिफाइनरियां पाकिस्तान के भौगोलिक रूप से काफी करीब है। ऐसे में भारत से पेट्रोलियम उत्पादों का आयात शुरू होने पर लागत और आपूर्ति का समय दोनों कम हो सकते हैं। भारतीय कृषि और औद्योगिक उत्पादों तक पहुंच मिलने से पाकिस्तानी कंपनियों की उत्पादन लागत भी घट सकती है। पाकिस्तान के कपड़ा उद्योग की चुनौतियों पर चिंता जताते हुए कसूरी ने कहा कि पारंपरिक रूप से कपास उगाने वाले क्षेत्रों में किसान अब गन्ने की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। इससे घरेलू कपास उत्पादन प्रभावित हो रहा है और टेक्सटाइल उद्योग पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार से कपास की खेती को बढ़ावा देने के लिए बेहतर कृषि नीतियां बनाने की मांग की। उनके मुताबिक घरेलू उत्पादन बढ़ाने के साथ भारत के साथ व्यापार बहाल होने से पाकिस्तान के उद्योगों को राहत मिल सकती है। कसूरी ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार बहाल होने से केवल उद्योगों को ही फायदा नहीं होगा बल्कि निवेश, पर्यटन और क्षेत्रीय सहयोग के नए रास्ते भी खुल सकते हैं। उन्होंने खासतौर पर भारतीय पर्यटकों का जिक्र किया जो पाकिस्तान में धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के अलावा अपने पूर्वजों के घरों और गांवों को देखने जाना चाहते हैं। उन्होंने श्रीलंका के आर्थिक संकट के दौरान भारत की ओर से दी गई मदद का उदाहरण देते हुए कहा कि पड़ोसी देश मुश्किल वक्त में एक दूसरे के काम आ सकते हैं। कसूरी ने जोर दिया कि राजनीतिक मतभेदों के कारण दोनों देशों को आर्थिक अवसरों से दूर नहीं रहना चाहिए। उनके मुताबिक लंबित विवादों को बातचीत के जरिए सुलझाया जा सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक रिश्ते बेहतर संबंधों की नींव बन सकते हैं।

# H-1B वीजा और इमीग्रेशन पॉलिसी से परेशान भारतीय वोटर्स ट्रंप को सिखाएंगे सबक! महंगी पड़ेगी नाराजगी

अमेरिका को भारत का टैलेंट चाहिए। उनकी टेक्नोलॉजी कंपनीज बहुत हद तक भारतीय प्रोफेशनल्स पर निर्भर करती हैं। लेकिन अब इन्हीं लोगों को लेकर अमेरिका की राजनीति में बहस छिड़ गई है कि दूसरे देशों से आने वाले लोगों को वहां काम करने की कितनी छूट मिलनी चाहिए। अक्टूबर 2026 में अमेरिका के वाइस प्रेसिडेंट जेडी वैंस ने एच1 बी के वर्कर्स को लेकर फॉरेन इंडेंचर्ड सर्वेंट्स कहा। यानी वो विदेशी कर्मचारी जो अपनी नौकरी के कारण कंपनी से बंधे रहते हैं। साथ ही अमेरिका एआई में काफी इन्वेस्टमेंट कर रहा है ताकि ज्यादा से ज्यादा काम मशीनंस कर सकें। इनमें वो काम भी है जो आज भारतीय प्रोफेशनल्स कर रहे हैं। अब सवाल तो कंपनीज़ और वीजा सिस्टम पर उठा रहे थे। लेकिन उनकी बात ने अमेरिका में काम करते भारतीयों के ज़हन में कई सवाल उठा दिए। आखिर सालों से इंडियन अमेरिकनंस अमेरिका के कामयाब लोगों में गिने जाते रहे हैं। पढ़े लिखे हैं, अच्छी तनख्वाह और अलग–अलग फील्ड्स में इनकी अपनी पकड़। इन्हीं में से कुछ लोग पिछले कुछ सालों में डोनल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की तरफ भी मुड़ने लगे हैं। किसी को उनके बिजनेस पॉलिसीज पसंद है तो किसी को ट्रेडिशनल वैल्यूस, पारिवारिक मूल्यों पर उनका जोर। सामाजिक मुद्दों पर उनका रुख और नरेंद्र मोदी के साथ उनकी दोस्ती भी कुछ को पसंद आई है। लेकिन जब वो दूसरी बार प्रेसिडेंट बने तो उनके वीजा और इकॉनमी से जुड़े फैसलों ने उन्हीं लोगों को दुविधा में डाल दिया। तो क्या ये अब भी ट्रम्प के साथ हैं? या उनके फैसलों के कारण उनसे दूर होते जा रहे हैं। 3 नवंबर को अमेरिका में मिड टर्म सिलेक्शंस हैं। जिस कारण यह सवाल पूछना जरूरी हो जाता है। क्योंकि बात सिर्फ वोट की नहीं बल्कि अमेरिका में रहने वाले भारतीयों की पहचान की है और उनके भविष्य की है। सालों से ज्यादातर इंडियन अमेरिकनंस डेमोक्रेटिक पार्टी को सपोर्ट करते आए हैं जो ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की विरोधी पार्टी है। लेकिन अब इस सपोर्ट में बदलाव आया है। कार्निककी के 2026 के सर्वे के मुताबिक 2020 में 52: इंडियन अमेरिकन का झुकाव डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ था जो अब 46: रह गया है। वहीं रिपब्लिकन पार्टी से जुड़ने वालों का हिस्सा 15 से बढ़कर 19:




हो गया। नहीं सब रिपब्लिकन नहीं बन रहे लेकिन कईयों की सोच जरूर बदल रही है। अमेरिका में करीब 52 लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं। कुछ वहीं पैदा हुए तो कुछ पढ़ाई, नौकरी या बिजनेस करने के लिए गए। इनमें से कईयों को लगता था कि डेमोक्रेटिक पार्टी बाहर से आने वालों का स्वागत करती है और सबको बराबर का हक देने की बात करती है। लेकिन धीरे–धीरे कुछ लोगों को धर्म, परिवार और समाज के से जुड़े मुद्दों पर इस पार्टी की बातें परेशान करने लगी। उन्हें लगा कि उनकी मेहनत और टैलेंट को पूरी अहमियत नहीं मिल रही है। जिस कारण वो रिपब्लिकन पार्टी की तरफ मुड़ने लगे। जो कम टैक्स, बिजनेस को बढ़ावा और मेहनत की सही फल की बातें करते थे। और साथ ही ट्रंप और मोदी की दोस्ती ने भी इस कहानी को एक नया रूप दिया। सितंबर 2019 में अमेरिका के हस्टन शहर में हाउडी मोदी नामक एक आयोजन हुआ। हजारों इंडियन अमेरिकनंस के सामने नरेंद्र मोदी और डॉनल्ड ट्रंप एक साथ मंच पर खड़े थे।






### जाते–जाते नेतन्याहू ने भारत से की ऐसी डील, ट्रंप रह गए हैरान, हिल गए चीन और पाकिस्तान

इजराइल के संसदीय चुनाव में भले ही नेतन्याहू के गठबंधन को बहुमत नहीं मिला हो और उनके फिर से प्रधानमंत्री बनने पर पेंच फंस गया हो लेकिन इसके बावजूद भी वो भारत की ताकत बढ़ाने वाले फैसले लेने में जुटे हुए हैं। अब उन्होंने भारतीय वायुसेना में बूस्टर डोज़ लगाने वाला ऐसा फैसला लिया है कि जिसने दुश्मनों को टेंशन में डाल दिया है। भारत और इजराइल की नई डील से पूरी दुनिया हैरान है। दरअसल आसमान की जंग में भारत अब ऐसा अचूक चक्रव्यूह रच रहा है जिसके सामने दुश्मन की हर चाल धरी की धरी रह जाएगी। आसमान में भारत की ताकत को कई गुना बढ़ाने वाली महाडल ने पीएम मोदी और नेतन्याहू की गहरी दोस्ती की एक और मिसाल पेश कर दी है। भारत और इजराइल की सरकारी रक्षा कंपनी इजराइल एयरस्पेस इंडस्ट्रीज यानी आईएआई के बीच लगभग 900 मिलियन यानी करीब 8000 करोड़ के रक्षा सौदे पर मोहर लगने वाली है। इस डील के तहत इजराइल एयरस्पेस इंडस्ट्रीज भारतीय वायुसेना को छह अत्याधुनिक एयर टू एयर रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट सप्लाई करेगी। इजराइल के पास हवा में ईंधन भरने वाले विमान तैयार करने का 40 साल से ज्यादा का तगड़ा अनुभव है। वो दुनिया के 12 से ज्यादा देशों के लिए ऐसे विमानों को कन्वर्ट कर चुका है। नए टैंकर विमानों के आने से भारतीय वायुसेना के पुराने पड़ चुके रूसी इलशन सेकंड 78 विमानों की जगह ले ली जाएगी। डील फाइनल होने के बाद इनकी डिलीवरी 2028 से 2030 के बीच होने की उम्मीद है। इसके बाद हमारे फाइटर जेट्स हवा में ही रिफ्यूल होकर आसमान में लंबी छलांग लगाने और दुश्मन के घर में घुसकर स्ट्राइक करने में पूरी तरह अजय हो जाएंगे। इजराइल के साथ हुई डील से भारत को क्या–क्या फायदा होंगे? आइए आपको बताता हूं।

### यूक्रेन के जापोरिज्जिया में रूस का हमला, 26 लोगों की मौत

कीव। दक्षिणी यूक्रेन में मानवीय सहायता केंद्र और एक आश्रय स्थल पर सोमवार को रूस की ओर से किए गए हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने 'एक्स' पर एक संदेश में कहा कि रूसी हमले में सबसे पहले मानवीय सहायता सामग्री वितरित करने के लिए इस्तेमाल की जा रही एक स्कूल की इमारत को निशाना बनाया गया और इसके बाद पास स्थित एक आश्रय स्थल पर भी हमला किया गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।